RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 डेजी शाह से छेड़छाड़...

वर्ष : 27 | अंक : 247 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 26 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

सौरभ भारद्वाज के 13 ठिकानों पर ED के छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। करीब साढ़े पांच हजार करोड़ के अस्पताल घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने आज आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के घर सहित उनके 13 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई दिल्ली में स्वास्थ्य ढांचे से जुड़े 5,590 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच के तहत की जा रही है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली की एंटी करप्शन ब्रांच (ACB) ने जून 2024 में मामले में शिकायत दर्ज की थी, जिसमें ‸क के कार्यकाल में स्वास्थ्य परियोजनाओं में कथित बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और फंड की हेराफेरी का आरोप लगाया गया था। इसके बाद जुलाई में ईडी ने भी इस घोटाले में आधिकारिक तौर पर जांच शुरू की।

ईडी के मुताबिक, 2018-19 में आम आदमी पार्टी सरकार ने 24 अस्पताल परियोजनाओं को मंजूरी दी थी। योजना थी कि छह महीने के भीतर आईसीयू अस्पताल बनकर तैयार हो जाएंगे, लेकिन अब तक केवल आधा काम ही पूरा हुआ है, जबकि इस पर 800 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुके हैं। एजेंसी ने यह भी कहा कि दिल्ली के लोक नायक अस्पताल की निर्माण लागत 488 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,135 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। कई अस्पतालों में बिना उचित मंजूरी के निर्माण कार्य शुरू किए गए थे। एसीबी ने अपने बयान में बताया कि 2018-19 में मंजूर 24 परियोजनाओं में (शेष पृष्ठ-3 पर)

विकास के हाईवे पर मेक इन इंडिया ने पकड़ी रफ्तार

अहमदाबाद (एजेंसी)। देश के विकास के हाईवे पर मेक इन इंडिया की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। मारूति ने यह साबित कर दिखाया कि वह मेक इन इंडिया की पहचान है। आज मारूति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक ई-विटारा कार के उत्पादन से भारत के लिए 100 देशों में निर्यात की पहल शुरू हो इससे भारत-जापान के रिश्तों में और मजबूती आएगी। यह बात कही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने। वे अहमदाबाद के मारूति के ई-विटारा, उत्पादन इकाई का शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी संयंत्र में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के प्रोडक्शन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने सुजुकी की इलेक्ट्रिक व्हीकल ई-विटारा को भी हरी झंडी दिखाई। पीएम ने इस मौके पर कहाकि आज से भारत में बनी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स 100 देशों को एक्सपोर्ट की जाएंगी। इसके साथ ही, आज हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोल मैन्युफैक्चरिंग की भी शुरुआत हो रही है। यह दिन भारत और जापान की दोस्ती को भी एक नया आयाम दे रहा है। मैं सभी देशवासियों, जापान और सुजुकी कंपनी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि भारत की सफलता की कहानी के बीज करीब 13 साल पहले (शेष पृष्ठ-3 पर)

तीन युवकों की मौत के मामले में ट्रक चालक पर मुकदमा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर बीते दिनों सड़क हादसे में हुई तीन युवकों की मौत के मामले में थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मृतक के परिजन ने ट्रक चालक के खिलाफ अचानक ब्रेक लगाकर यू टर्न लेने की वजह से एक्सीडेंट होने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

फरीदाबाद हरियाणा निवासी जगबीर सिंह ने डर कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा गौतम अपने साथी लोकेश कुमार सारस्वत, हरविंदर, गौरव, ललित के साथ 21 अगस्त को वेगनर कार से हरिद्वार से फरीदाबाद आ रहे थे। उनके कार जैसे ही बील अकबरपुर टोल प्लाजा के पास पहुंची तो कार के आगे चल रहे ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगाकर तेजी से यू टर्न ले लिया। कार चला रहा लोकेश कुमार सारस्वत ट्रक चालक के अचानक यू टर्न लेने से संतुलन खो बैठा और कार ट्रक से भिड़ गई। इस हादसे में उनके बेटे गौतम की मौके पर ही मौत हो गई और अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के शारदा अस्पताल पहुंचाया यहां लोकेश और गौरव की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। इस हादसे में घायल ललित व हरविंदर का अभी भी उपचार चल रहा है। जगबीर सिंह ने ट्रक चालक पर लापरवाही से ट्रक चलाने तथा दुर्घटना करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

किशोरी को बहला फुसलाकर भगाया

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 27 के अट्टा गांव से एक युवक 15 वर्षीय किशोरी को बहला फुसलाकर कर भगा ले गया। किशोरी के पिता की शिकायत पर थाना सेक्टर 20 पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मूल रूप से फर्रुखाबाद के रहने वाले विमलेश काल्पनिक नाम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह हाल में अपने परिवार के साथ अट्टा गांव में किराए पर रह रहा है। 20 अगस्त की सुबह उसकी 15 वर्षीय बेटी को पंकज पुत्र संतोष बहला फुसलाकर भगाकर ले गया। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी युवक और किशोरी की तलाश की जा रही है।

डूब क्षेत्र में अवैध फार्म हाउस पर चला प्राधिकरण का पीला पंजा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने आज सेक्टर-150 में यमुना नदी के डूब क्षेत्र में बने अवैध फार्म हाउसों पर आज प्राधिकरण का पीला पंजा चला। इस दौरान दो दर्जन से अधिक फार्म हाउसों को ढहाया गया।

वर्क सर्किल-10 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक प्रवीण सलोनिया ने बताया कि यहां पर डूब क्षेत्र में कई लोगों ने अवैध फार्म हाउस बना दिये हैं। उनको कई बार नोटिस भी जारी किए गए। लेकिन इसके बाद भी उन्होंने अपने निर्माणों को ध्वस्त नहीं किया।

आज भारी संख्या में पुलिस बल ने मौके पर जाकर फार्म हाउसों को तोड़ना शुरू कर दिया। प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक ने बताया कि कितने फार्म हाउसों पर कार्रवाई हुई इसकी जानकारी अभियान के बाद दी जाएगी। खबर लिखे जाने तक कार्रवाई जारी थी।

15 मिनट तक लिफ्ट में फंसे रहे एस एस्पायर सोसायटी के लोग

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिला परिक्षेत्र ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एस एस्पायर सोसायटी में आज अचानक लाइट के जाने से लिफ्ट फ्री फॉल होकर दो फ्लोर के बीच में अटकी गयी। जिसमें तीन लोग 10 से 15 मिनट तक फंसे रहे।

सूत्रों के अनुसार लिफ्ट के इंटरकॉम मेंटेनेंस स्टाफ को सूचित करने की कोशिश की गयी लेकिन काफी समय बीत जाने पर नहीं उनको कोई मदद नहीं मिल पायी। लिफ्ट में फंसे लोगों की वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। लिफ्ट के अंदर तीन लोग 10 से 15 मिनट तक फंसे रहे।

15 अक्टूबर तक हो जाएगी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सीईओ डॉ. लोकेश एम ने शहरवासियों को आश्वासन दिया है कि बारिश के कारण टूटी-फूटी सड़कों की मरम्मत का कार्य 15 अक्टूबर तक पूरा हो जाएगा।

उन्होंने मीडिया को बताया कि नोएडा में बारिश के चलते नोएडा की आंतरिक और मुख्य सड़के कई स्थानों से टूट गई है। इनमे पैच वर्क किया जाएगा। ये काम एक महीने में पूरा होगा। इसके लिए टेंडर हो चुके है। बारिश बंद होने के साथ ही सड़कों की स्थिति को दुरस्त किया जाएगा। पहले मुख्य सड़क उसके बाद इंटीरियर सड़क की मरम्मत की जाएगी। जिससे लोगों को राहत मिलेगी। सीईओ लोकेश एम ने बताया कि एक महीने के अंदर नोएडा की सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का काम पूरा किया जाएगा। इसके अलावा उन सड़कों को चिन्हित भी किया जाएगा जहां बार बार पेच वर्क कराने की जरुरत पड़ती है। ऐसा क्यो हो रहा है इसके लिए एक सर्वे भी किया जाएगा। वहीं एसीईओ संजय खत्री ने बताया कि दो से तीन दिन के अंदर शहर की सभी क्षतिग्रस्त सड़कों का सर्वे पूरा किया जाएगा। इसके बाद ही वहां पेच वर्क होगा। ये काम 15 अक्टूबर से पहले पूरा किया जाएगा। क्योंकि ठंड आने के साथ दिल्ली एनसीआर में ग्रेप लागू होने लगता है। ऐसे में पहले ही सड़क की मरम्मत कर दी जाएगी।

नामी रेस्टोरेंटों में चोरी करने वाला शातिर चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे

नोएडा (चेतना मंच)। शहर के नामी रेस्टोरेंटों में लोगों की लापरवाही का फायदा उठाकर लैपटॉप बैग चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को थाना सेक्टर 20 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके पास से रेस्टोरेंट से चोरी किया गया लैपटॉप, आधार, पैन कार्ड, डेबिट कार्ड, विदेशी मुद्रा व तमंचा कारतूस बरामद हुए है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम बीती रात्रि गस्त पर थी इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि शहर के बड़े-बड़े रेस्टोरेंट में लैपटॉप चोरी की घटना को अंजाम देने वाला चोर सेक्टर 18 स्थित लाल पैथ लेब के पास खड़ा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर छापा मारा। पुलिस को देखकर उच्च व्यक्ति ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस कर्मियों ने उसे दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा ,कारतूस, लैपटॉप, आधार कार्ड, पैन कार्ड, डेबिट कार्ड, 10,10 पाउंड के दो विदेशी नोट मिले। पूछताछ में पकड़े गए चोर ने अपना नाम अजय कुमार सक्सेना पुत्र किशन लाल सक्सेना बताया। आरोपी हाल में नया बांसगांव में बने पीजी में रह रहा है और मूल रूप से जनपद बरेली का रहने वाला है। पकड़े गए चोर ने पुलिस को बताया कि उससे बरामद सामान उसने सेक्टर-18 में अलग-अलग जगह से चोरी किया है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। व्यावसायिक वाहनों के चालकों की लापरवाही लोगों की जान पर भारी पड़ रही है। आए दिन व्यावसायिक वाहनों की चपेट में आने की वजह से लोगों की जान जा रही है। थाना बादलपुर क्षेत्र के ग्राम धूम मानिकपुर के पास ट्रक की टक्कर लगने से बाइक सवार की मौत हो गई और उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

ग्राम जड़ोली जनपद बुलंदशहर निवासी प्रशांत कुमार और रोहित 25 अगस्त को गाजियाबाद से बाइक पर सवार होकर बुलंदशहर के लिए जा रहे थे। उनकी बाइक जैसे ही ग्राम धूम मानिकपुर के पास पहुंची तो पीछे से तेज गति में आ रहे ट्रक का चालक संतुलन खो बैठा और उसने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार प्रशांत और रोहित दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने दोनों घायलों को पास के ही मोहन स्वरूप हॉस्पिटल में पहुंचाया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को : चंद्रमोहन श्रीवास्तव

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ व जिला न्यायाधीश गौतम बुद्ध नगर मलखान सिंह के निर्देशों के क्रम में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर चंद्र मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि 13 सितंबर को जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

अपर जिला जज चंद्रमोहन ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेषत: आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामले, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व पानी से संबंधित मामले, धाराक्ष138 एन.आई. (शेष पृष्ठ-3 पर)

हादसों को दावत दे रहे हैं प्राधिकरण के जर्जर मकान

आवंटियों को अन्यत्र शिफ्ट हो जाने की सलाह दे रहे शीर्ष अधिकारी

मरम्मत के बजाय आवंटियों पर ही ठीकरा फोड़ रहे प्राधिकरण के अधिकारी

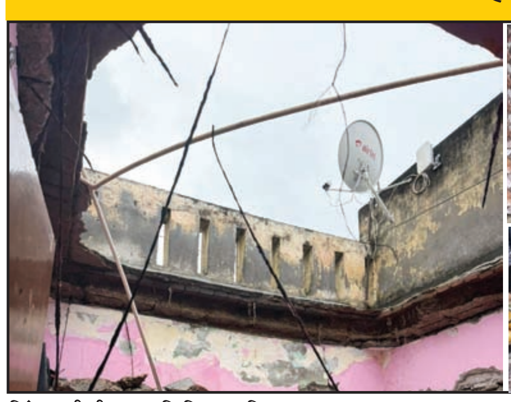

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण द्वारा बनाये गये ईडब्ल्यूएस तथा एलआईजी भवनों की जर्जर हालत है। यहां कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। शिकायत के बावजूद नोएडा प्राधिकरण इन जर्जर मकानों को कोई संज्ञान नहीं ले रहा है। उल्टे प्राधिकरण के अधिकारी यह कहकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं कि आवंटियों द्वारा अवैध निर्माण के चलते मकानों की हालत जर्जर हो गई है। इसलिए किसी भी हादसे से बचने के लिए वे मकान खाली करके अन्यत्र शिफ्ट हो जाएं।

कल भी सेक्टर-31 में जनता फ्लैट के मकान की छत गिर गई। हादसे की जांच के लिए प्राधिकरण के शीर्ष अधिकारी मौके पर पहुंचे। लेकिन मरम्मत व अनुरक्षण कराने की बात कहने के बजाय उन्होंने आवंटी पर ही इस हादसे का ठीकरा फोड़ दिया।

इन मकानों का निर्माण 1980 में किया गया था। कल महाप्रबंधक (सिविल) एसपी सिंह, डीजीएम (सिविल) विजय रावल, महाप्रबंधक नियोजन मीना भार्गव तथा वर्क सर्किल-2 के वरिष्ठ प्रबंधक कपिलसिंह ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने बताया कि उक्त छत के ऊपर 3 वाटर टैंक रखे गये थे तथा कई वर्षों से अनुरक्षण के अभाव में छत पर जमा होने वाले पानी से छत कमजोर हो गई थी जिसके कारण उक्त कमरे की छत पानी की टंकी के दबाव में गिर गई, जिसमें कोई जनहानि नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा सैक्टर-31 में कुल 128 नग जनता फ्लैट /ईडब्ल्यूएएस फ्लैट निर्मित है तथा सैक्टर-31 में निर्मित अन्य जनता फ्लैट / ईडब्ल्यूएएस में भी ऐसी जर्जर की स्थिति संज्ञान में आई हैं, जहाँ प्राधिकरण द्वारा आवंटित भवनों में समुचित अनुरक्षण के अभाव में एवं अनुमन्य नक्शे से विपरीत अधिक निर्माण कर मूल संरचना में परिवर्तन करने के कारण भवनों की स्थिति जर्जर है। अधिकारियों का कहना है कि जर्जर मकानों के आवंटी तत्काल खाली कर अन्य सुरक्षित भवनों में शिफ्ट हो जायें, जिससे कि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

पुश्ता पर एलिवेटेड बनाने की पहल हुई तेज

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पुश्ता रोड पर एलीवेटिड बनाने की दिशा में पहल तेज हो गई है। लोक निर्माण विभाग ने पुश्ता एलिवेटेड की जानकारी मांगी थी। जिसमें निर्माण की लोकेशन, जरूरत, प्राथमिक डिजाइन और कनेक्टिविटी के बारे में जानकारी मांगी थी। एसीईओ संजय खत्री ने बताया कि जो जानकारी मांगी गई है उसे दिया जा रहा है। इस जानकारी को लोक निर्माण विभाग सिंचाई विभाग को देगा। वहां वे अपनी रिपोर्ट शासन को भेजेंगे।

इसी रिपोर्ट को शासन मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट हाइवे को भेजेगा। जिससे इस रोड को एनएच घोषित किया जा सके। एक बार एनएच घोषित होने के बाद इसका निर्माण एनएचएआई कराएगा। बता दे ये पुश्ता एलिवेटेड करीब 23 किमी लंबी होगी। इससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट सीधे दिल्ली से कनेक्ट हो सकेगा। जिससे भविष्य में नोएडा एयरपोर्ट जाना आसान होगा साथ ही एक्सप्रेस वे से ट्रैफिक भार काफी कम हो जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में यमुना पुश्ता पर एलिवेटड का निर्माण यूपीडा से कराने का निर्णय लिया गया था। निर्माण में जितना भी खर्च आएगा उसका वहन नोएडा , ग्रेटरनोएडा (शेष पृष्ठ-3 पर)

त्रिकोणीय मंच

भारत, रूस और चीन में एक बार फिर 'त्रिकोण' उभर रहा है। वैश्विक परिस्थितियां ऐसी हैं कि तीनों देश एक ही मंच पर लामबंद हो रहे हैं। उसे 'आरआईसी' नाम दिया जा सकता है। तीनों देश 'ब्रिक्स' के एक मंच पर भी लामबंद हैं। तीनों देश 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) में भी साथ-साथ हैं। यह 'त्रिकोण' 1998 में भी उभरा था और 2002 में उसके विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी। भारत और रूस कई दशकों से 'दोस्त' हैं। उनके बीच व्यापारिक रिश्ते, रणनीतिक साझेदारी रही है, बेशक हालात कैसे भी रहे हों, लेकिन भारत और चीन, रूस और चीन के बीच युद्ध भी हुए हैं और सीमा-विवाद भी रहे हैं। भारत चीन को 'दुश्मन नंबर 1' भी मानता रहा है, लेकिन दोनों एशिया के 'सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी देश' भी हैं और 2024-25 में दोनों देशों के बीच 127.7 अरब डॉलर का कारोबार भी किया गया। अब विश्व की बदलती परिस्थितियों के मद्देनजर भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों में सुधार और कूटनीति की कवायद जारी है। रूस और चीन के संबंध कूटनीतिक स्तर पर प्रगाढ़ रहे हैं। चूंकि तीनों देशों का एक साझा खलनायक है-अमरीका, लिहाजा उस पर दबाव बनाए रखने और उसकी अड़चनों और उसके फैसलों से निष्प्रभावी होने के मद्देनजर भारत, रूस, चीन का 'त्रिकोण' पुख्ता होता जा रहा है। रूस पर अमरीकी और यूरोपीय पाबंदियों के दौर में चीन और भारत ने उससे काफी मात्रा में कच्चा तेल खरीदा। रूस ने भारत के साथ 'रुपया' मुद्रा में कारोबार किया। हालांकि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने एक अखबार में विस्फोटक लेख लिखा और भारत की 'तेल लॉबी' को करार दिया कि वह रूसी राष्ट्रपति पुतिन की युद्ध-मशीनरी की आर्थिक मदद कर रही है, लिहाजा भारत को रूस से तेल खरीदने से रोका जाए। यथार्थ यह है कि अमरीका और यूरोप तुलनात्मक रूप से रूसी तेल और गैस के सबसे बड़े खरीददार हैं। यही वैश्विक परिस्थितियां हैं, जो भारत, रूस, चीन को करीब लाकर 'त्रिकोण' बना रही हैं। हाल ही में चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत आए और हमारे विदेश मंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवल तथा अंतत- प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। चीन ने महत्वपूर्ण पेशकश की कि वह भारत को खाद, रेयर अर्थ मिनरल्स और सुरंग खोदने की मशीन मुहैया कराने को तैयार है। रेयर अर्थ मिनरल्स करीब 90 फीसदी चीन में ही होते हैं। चीन पहले इन वस्तुओं की आपूर्ति में बाधाएं डालता रहा था। इस माह के अंत में तीनों देशों के शीर्ष नेता एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान चीन में मिलेंगे। उस मुलाकात से 'त्रिकोण' और भी पुख्ता होगा। विश्व की करीब 38 फीसदी आबादी, 33 फीसदी जीडीपी, करीब 20 फीसदी क्षेत्रफल और दुनिया की नंबर 2, 3, और 4 सेनाएं इन तीनों देशों की हैं। इन तीनों देशों के पास करीब 5100 परमाणु हथियार हैं। रूस और चीन सुरक्षा परिषद के स्थायी, वीटो पॉवर वाले देश हैं। कल्पना कर सकते हैं कि इन तीनों देशों की साझा शक्ति कितनी होगी? यह 'त्रिकोण' बनना तब जोर पकडने लगा, जब अमरीका ने रणनीतिक साझेदार होने के बावजूद भारत पर 50 फीसदी टैरिफ थोपने की घोषणा की। नतीजतन समीकरण बदलने लगे और चीन ने भारत पर थोपे गए टैरिफ की निंदा की और भारत के साथ सहयोग का हाथ बढ़ाया। हालांकि इतिहास और अतीत बताता है कि भारत को चीन पर भरोसा नहीं करना चाहिए, लेकिन यह 'त्रिकोण' बनाना भी वैश्विक हित में है। अमरीका की 'दादागीरी' कुछ ढीली होगी। भारत की चीन के साथ 3488 किमी सीमा के विवाद पुराने और गंभीर हैं, लेकिन अब चीनी विदेश मंत्री ने हमारे सुरक्षा सलाहकार के सीमा संबंधी प्रस्ताव पर सहमति जताई है, लिहाजा बातचीत आगे बढ़ेगी। दोनों देश सीधी उड़ान और सीमावर्ती व्यापार को फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं। हालांकि चीन के साथ व्यापार करने में भारत को करीब 100 अरब डॉलर का निरंतर घाटा है, लेकिन धीर-धीरे इसकी भरपाई की जा सकती है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि प्रेम रस में सनी हुई राजा की वाणी सुनकर ज्ञानी मुनि विश्वामित्रजी ने हृदय में बड़ा हर्ष माना। तब वशिष्ठजी ने राजा को बहुत प्रकार से समझाया, जिससे राजा का संदेह नाश को प्राप्त हुआ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

अति आदर दोउ तनय बोलाए। हृदयँ लाइ बहु भाँति सिखाए॥
मेरे प्रान नाथ सुत दोऊ। तुम्ह मुनि पिता आन नहिं कोऊ॥

राजा ने बड़े ही आदर से दोनों पुत्रों को बुलाया और हृदय से लगाकर बहुत प्रकार से उन्हें शिक्षा दी। (फिर कहा-) हे नाथ! ये दोनों पुत्र मेरे प्राण हैं। हे मुनि! (अब) आप ही इनके पिता हैं, दूसरा कोई नहीं॥

दो0- सौंपे भूप रिषिहि सुत बहुबिधि देइ असीस।
जननी भवन गए प्रभु चले नाइ पद सीस॥

राजा ने बहुत प्रकार से आशीर्वाद देकर पुत्रों को ॠषि के हवाले कर दिया। फिर प्रभु माता के महल में गए और उनके चरणों में सिर नवाकर चले॥

पुरुष सिंह दोउ बीर हरषि चले मुनि भय हरन।
कृपासिंधु मतिधीर अखिल बिस्व कारन करन॥

पुरुषों में सिंह रूप दोनों भाई (राम-लक्ष्मण) मुनि का भय हरने के लिए प्रसन्न होकर चले। वे कृपा के समुद्र, धीर बुद्धि और सम्पूर्ण विश्व के कारण के भी कारण हैं॥ (क्रमश:..)

भारत चाहता है युद्ध का नहीं, शांति का दौर बने

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस-यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति-अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा।

भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अस्तव्यस्त करने की कोशिश की है। किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। जेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार कहा है-'यह युद्ध का दौर नहीं है।' यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। 'ऑपरेशन गंगा' के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा। पिछले साल अगस्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है।

भारत की शांति नीति केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान-इजरायल, इजरायल-हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल-पुथल-भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पूतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का रास्ता है।

रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे। भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि 'विश्वगुरु' के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है-'शांति ही मानवता का वास्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति।'

भारत की शांति नीति केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान-इजरायल, इजरायल-हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल-पुथल-भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं से कहा कि मानवता के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि सहयोग-शांति-सौहार्द से मिलेगा। उन्होंने विकासशील देशों की पीढ़ा और युद्ध से उत्पन्न आर्थिक संकट को सामने रखकर यह स्पष्ट किया कि युद्ध का खामियाजा गरीब और छोटे देशों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। आज की दुनिया में हथियारों की होड़ और सामरिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। युद्ध केवल मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि तकनीकी, साइबर और आर्थिक क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे हैं। ऐसे समय में भारत की अहिंसा और अयुद्ध की नीति मानवता के लिए प्रकाशस्तंभ का काम कर रही है।

भारत का इतिहास शांति और अहिंसा का इतिहास है। भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा-'अहिंसा परमो धर्म:'। गौतम बुद्ध ने करुणा और मैत्री का संदेश दिया और पूरी एशिया भूमि को 'शांति क्षेत्र' बनाने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी परंपरा को आधुनिक राजनीति में रूपांतरित किया। उन्होंने दिखाया कि सत्य और अहिंसा के आधार पर साम्राज्यवाद जैसी शक्तिशाली सत्ता को भी परास्त किया जा सकता है। भारत की आत्मा में यह विश्वास गहराई से निहित है कि हिंसा केवल विनाश लाती है और शांति ही स्थायी समाधान है। इसी विरासत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुनर्जीवित किया है। 2022 में जब रूस-यूक्रेन युद्ध तेज हुआ, तब संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर मोदी ने दृढ़ता से कहा-'आज का समय युद्ध का नहीं, बल्कि शांति, स्थिरता और सहयोग का है।' भारत ने इस सत्य को समय रहते समझा और दुनिया को यह संदेश दिया कि 'शांति ही भविष्य है, युद्ध नहीं।' इसे आधुनिक कूटनीति में उतारकर यह साबित किया है कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई। शीत युद्ध के समय जब दुनिया अमेरिका और सोवियत संघ के दो खेमों में बंटी हुई थी, तब भारत ने यह साहस दिखाया कि वह किसी एक महाशक्ति का पिछलग्गू नहीं बनेगा। पंडित जवाहरलाल नेहरू, युगोस्लाविया के राष्ट्रपति टिटो और मिस्र के राष्ट्रपति नासिर ने मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी। इसका उद्देश्य था-दुनिया के देशों को युद्ध की राजनीति से दूर रखना और शांति व सहयोग की नई राह खोलना। भारत की अहिंसा की नीति कहती है कि स्थायी समाधान केवल शांति और संवाद में है। अयुद्ध की नीति कहती है कि किसी भी गुट का पिछलग्गू बने बिना स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाना ही असली ताकत है। भारत ने दिखाया है कि यह नीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि व्यावहारिक कूटनीति भी है। जब पूरी दुनिया किसी एक पक्ष में बंट रही हो, तब भारत जैसे देश का संतुलित रुख ही शांति की संभावना को जीवित रख सकता है।

आज, जब रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देश और रूस आमने-सामने खड़े हैं, भारत ने उसी गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण को अपनाया है। भारत न तो रूस के पक्ष में खड़ा हुआ है और न ही अंधाधुंध रूप से पश्चिम का समर्थन कर रहा है। उसने संवाद और कूटनीति को ही एकमात्र रास्ता बताया है। यही भारत की 'अयुद्ध नीति' है-जहां किसी से शत्रुता नहीं, बल्कि सबके साथ संतुलित संबंध रखकर शांति के लिए काम करना है। भारत ने अमेरिकी और यूरोपीय दबाव के बावजूद कभी भी केवल एक पक्ष का समर्थन नहीं किया। यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अमेरिका और पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत खुले रूप से रूस की निंदा करे और उस पर प्रतिबंध लगाए। किंतु भारत ने साफ कहा कि उसका दृष्टिकोण 'तटस्थ' ही नहीं, बल्कि 'शांति-उन्मुख' है। भारत का लक्ष्य किसी के खिलाफ खड़ा होना नहीं, बल्कि सबको शांति की राह पर लाना है। यही कारण है कि रूस और यूक्रेन, दोनों भारत पर भरोसा करते हैं। दोनों मानते हैं कि भारत बिना पूर्वाग्रह के समाधान का मार्ग खोज सकता है। **- ललित गर्ग**

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबी कांग्रेस और लालू को मतदाताओं की चिंता

बिहार को बर्बादी के कगार पर धकेलने के लिए जिम्मेदार राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और कांग्रेस को अब मतदाताओं के अधिकार और संविधान की चिंता सता रही है। लालू राज में जिस कदर संविधान की धज्जियां उड़ाई गई उससे न सिर्फ बिहार बल्कि विश्व में भी भारत की छवि खराब हुई। लालू की सत्ता के दौरान यह लगने लगा था कि भ्रष्टाचार और अपराधों के लिए कुख्यात रहा बिहार शेष भारत का हिस्सा है भी या नहीं। बिहार की दुर्गति के लिए कांग्रेस भी कम जिम्मेदार नहीं रही है। बिहार की सत्ता में कांग्रेस लालू यादव के साथ रही है। इन दोनों दलों द्वारा बिहार को दिए जंगलराज के जख्म अभी तक नासूर बने हुए हैं। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद ने राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा पर कहा कि भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है और हम लोग ऐसा नहीं होने देंगे। हम लोगों ने बहुत कुर्बानियां दी है और आगे भी देते रहेंगे। लालू प्रसाद ने राहुल की यात्रा से पहले यह बात कही। आश्चर्य की बात यह है कि कुर्बानी की बात ऐसे नेता कर रहे हैं, जो भ्रष्टाचार और घोटालों के मामले में आकंठ तक डूबे रहे हैं। बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण और कथित वोट चोरी के खिलाफ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वोटर अधिकार यात्रा की शुरूआत की है।

यह यात्रा वोटर अधिकार के कम और बिहार के सत्ता संघर्ष के लिए ज्यादा है। इस यात्रा में लालू यादव की पार्टी और इंडिया गठबंधन के अन्य राजनीतिक दल शामिल होंगे। बिहार के मतदाताओं ने बड़ी मुश्किलों से लालू परिवार की सत्ता लोलुपता से पीछा छुड़ाया है। बिहार की राजनीति के दिग्गज नेता लालू प्रसाद यादव कई घोटालों और विवादों में घिरे रहे हैं। चारा घोटाला, ज़मीन के बदले नौकरी का मामला, होटल टेंडर घोटाला और सोशल मीडिया पर दिए गए विवादित बयान जैसे मामले लगातार सुर्खियों में रहे। 900 करोड़ रुपये का चारा घोटाला बिहार का एक बड़ा भ्रष्टाचार का मामला है। इसमें लालू प्रसाद यादव मुख्य आरोपी हैं। सीबीआई जांच के बाद, लालू यादव को कई मामलों में दोषी ठहराया गया और जेल भेजा गया। नौकरी के बदले जमीन

घोटाला रेलवे भर्ती से जुड़ा एक भ्रष्टाचार का मामला है। आरोप है कि लालू प्रसाद यादव ने रेल मंत्री रहते हुए लोगों को नौकरी देने के बदले जमीन ली थी। सीबीआई और ईडी ने इसकी जांच की। इस मामले में लालू यादव और उनके परिवार के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया और अदालत ने उन्हें दोषी ठहराते हुए सज़ा सुनाई। यह मामला 2004-2009 का है, जब लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे। आरोप है कि उन्होंने रेलवे के दो होटलों (रांची और पुरी) के संचालन का टेंडर एक कंपनी को दिलाने में अनियमितताएं कीं। बदले में, कथित तौर पर लालू की पारिवारिक कंपनी को ज़मीन और लाभ दिए गए। इस मामले में सीबीआई ने लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत कई लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। यह मामला अभी भी अदालत में चल रहा है। लालू यादव के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट किया गया, जिसमें बिहार को बलात्कार से जोड़ते हुए लिखा गया था - बिहार = बलात्कार। इस पोस्ट के बाद राजनीतिक गलियारों में ज़बरदस्त हंगामा मच गया। विपक्षी दलों ने इसे बिहार और उसकी संस्कृति का अपमान बताया और लालू से माफ़ी की मांग की। लालू यादव ने सफाई देते हुए कहा कि अकाउंट हैक हो गया था और उन्होंने यह पोस्ट नहीं किया था। यह मामला काफ़ी समय तक सुर्खियों में रहा। लालू परिवार के ऐसे विवादित कारनामों की फेहरिस्त काफी लंबी है। इन कारनामों में कांग्रेस प्रत्यक्ष और परोक्ष तौर पर शामिल रही है।

मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का मुद्दा भी बिहार में सत्ता के घमासान से जुड़ा हुआ है। बिहार के साथ-साथ चुनाव आयोग ने कई राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की है। इसको लेकर कई विपक्षी पार्टियां चुनाव आयोग की कड़ी आलोचना कर रही हैं और सरकार पर निशाना साध रही हैं। विपक्ष का मानना है कि एसआईआर के तहत सरकार वोट चोरी कर रही है और नागरिकों को उनके वोट देने के मौलिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है। जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि इस प्रक्रिया से केवल उन्हीं लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं जो इसके पात्र नही हैं।

इस मुद्दे पर विपक्षी दलों को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिल सकी। सुप्रीम कोर्ट ने प्रक्रिया को रोकने के लिए निर्देश देने से इंकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस ने कहा कि जिन 65 लोगों के नामों को चुनाव आयोग ने मतदाता सूची से बाहर किया है, उन सभी मतदाताओं के नाम निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर सार्वजनिक किए जाएं. जिसके बाद आयोग ने कहा कि वह सभी 65 लाख मतदाताओं के नाम और उन्हें हटाए जाने का कारण सार्वजनिक करेगी। राहुल गांधी की ये यात्रा असल में कांग्रेस को बिहार में मुख्य मुकाबले में लाने की जद्दोजहद है। विवादित ढांचा विध्वंस होने के बाद जिस तरह उत्तर प्रदेश में मुस्लिम-दलित वोट कांग्रेस से छिटककर क्षेत्रीय दलों सपा-बसपा के पाले में चला गया, वही कहानी बिहार में भी दिखी, जहां ज्यादातर मुस्लिमों ने आरजेडी को रहनुमा मान लिया और बाकी हिस्सा जेडीयू के पाले में चला गया। 1992 के बाद से यूपी की तरह बिहार में भी कांग्रेस का स्ट्राइक रेट निराशाजनक रहा है। महागठबंधन की हार ठीकरा भी कांग्रेस के लचर प्रदर्शन पर ही फूटता रहा है। इस कारण गठबंधन में कांग्रेस की सीटों का कोटा भी कम हुआ है। जबकि भाकपा माले जैसे छोटे दल ने बिहार चुनाव 2020 में 19 में से 16 सीटें जीतकर बड़े-बड़े दलों को आईना दिखाया था। पिछली बार कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, जिसमें 19 पर जीत हुई थीं। चुनाव बाद कांग्रेस के लचर स्ट्राइक रेट की वजह से सरकार न बन पाने का आरोप भी आरजेडी ने कांग्रेस पर लगाया था। इस बार भी कांग्रेस 70 सीटों पर लडना चाहती है जबकि आरजेडी उसे 50 से ज्यादा सीटें नहीं देना चाहतीं। वोट अधिकार यात्रा के जरिए कांग्रेस शक्ति प्रदर्शन करके राजद पर सीटों पर दवाब बढ़ाना चाहती है। लालू यादव की पार्टी राजद हो या कांग्रेस, यह निश्चित है कि जब तक विपक्षी दल देश में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, लालफीताशाही, भाई-भतीजावाद और विकास जैसे मुद्दों पर चुनाव नहीं लड़ेगे तब तक सत्ता में आने का संघर्ष ख्वाब ही रहेगा। **- योगेन्द्र योगी**

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष तृतीया | **(विक्रम संवत् 2082)**

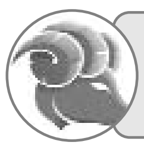

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अज्ञात भय सताएगा। खर्च की अधिकता कर्ज की स्थिति ला सकती है। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा संभव है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
कहीं से भी रुपए-पैसे निकालने में, जहां दिए हैं वहां से लेने में मुश्किल होगी। यात्रा में कष्ट संभव है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यापारिक स्थिति थोड़ी सी मध्यम रहेगी। कोर्ट-कचहरी में असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ेगा

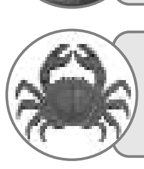

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
मान-सम्मान पर ठेस पहुंच सकती है। यात्रा कष्टकारी संभव है। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम-संतान ठीक है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के साथ कोई पंगेबाजी न करें। स्वास्थ्य मध्यम। दें। प्रेम, संतान मध्यम है।

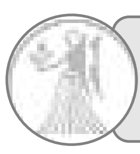

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी मध्यम रहेगी।

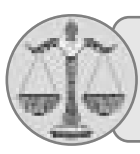

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा लेकिन परेशानी बनी रहेगी। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार ठीक है।

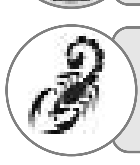

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
विद्यार्थियों के लिए मध्यम समय, प्रेम के लिए मध्यम समय। संतान के लिए मध्यम समय।

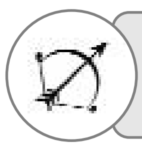

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी होगी। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
घरेलू चीजों को देख-सुन करके करें। मां के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम-संतान की स्थिति ठीक ठाक है।

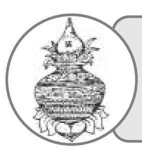

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापारिक स्थिति मध्यम होगा। नाक, कान व गला की परेशानी हो सकती है। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
धन हानि के संकेत हैं। जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

उद्योग एवं व्यवसाय में सुगमता ला रहा है उप्र निवेश मित्र पोर्टल

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समग्र सुधारों, डिजिटलीकरण एवं निवेशकों के अनुकूल नीतियों के माध्यम से व्यवसायों एवं निवेशों को सुगम बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश को वर्ष 2022 में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस मे टॉप अचीवर तथा वर्ष 2022, 2023 एवं 2024 में लॉजिस्टिक्स रैंकिंग में अचीवर्स के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। साथ ही राज्य को वर्ष 2021 के गुड गवर्नेस इंडेक्स में प्रथम स्थान एवं एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है, जिससे उत्तर प्रदेश भारत के सबसे सुरक्षित एवं निवेशक अनुकूल गतव्यों में से एक के रूप में स्थापित हुआ है।

उत्तर प्रदेश का समर्पित ऑनलाइन पोर्टल निवेश मित्र सिंगल-विंडो क्लियरेंस सिस्टम, 45 विभागों की सेवाओं को एकीकृत करता है, जो अनुमोदन, लाइसेंस एवं अनापत्ति प्रमाणपत्र हेतु 525 से अधिक सेवाएं प्रदान कर रहा है। यह पोर्टल आवेदन प्रस्तुत करने एवं ट्रैकिंग की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है, जिससे विलम्ब एवं प्रशासनिक समस्याओं का न्यूनीकरण सुनिश्चित होता है। गत वर्ष में चिकित्सीय प्रतिष्ठान, कृषि, उद्यान, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम फिल्म एवं मनोरंजन, आबकारी, फार्मास्यूटिकल तथा भू-विज्ञान एवं खनन जैसे विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित अनुमोदन सेवाए भी निवेश मित्र पोर्टल में एकीकृत की गई है।

निवेश मित्र पार्टल देश के उन अग्रणी पोर्टल्स में से एक है, जिन्हें नेशनल सिंगल विण्डो सिस्टम में एकीकृत किया गया है। निवेश मित्र में निरंतर अन्य सेवाएं भी जो ?ी जा रही है तथा सभी प्रकार की स्वीकृतियों/अनापत्तियों को एक ही स्थान पर (वन-स्टॉप सॉल्यूशन) उपलब्ध कराने हेतु कार्य किया जा रहा है। उद्यमियों द्वारा प्रस्तुत लाइसेंसिंग आवेदनों के 97 प्रतिशत से अधिक का निस्तारण किए जाने के साथ, निवेश मित्र पोर्टल वर्तमान में देश के सबसे कुशल सिंगल विंडों पोर्टलों में से एक बन गया है।

नियामक अनुपालन जटिलताओं को कम करने के प्रयासों के दृष्टिगत, उत्तर प्रदेश में लगभग 65 विभागों में कुल 4,675 अनुपालन कम किए गए है। कुल 4,098 अनुपालनों को सुगम बनाया गया एवं डिजिटल रूप प्रदान किया गया है, जिनमें से 2,512 अनुपालनों को जी2बी श्रेणी के अंतर्गत कम किया गया है एवं 1,586 अनुपालनों को जी2सी श्रेणी के अतर्गत कम किया गया है। इसके अतिरिक्त अब तक कुल 577 अनुपालनों को निरपराधीकरण (डिक्रिमिनलाइजेशन) श्रेणी के अतर्गत लाया गया है। इसके साथ ही कुल 948 अधिनियम/नियम/विनियम आदि को समाप्त किया जा चुका है।

अब उत्तर प्रदेश में व्यापार करने के लिए उ.प्र. दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम-1962 के अंतर्गत पंजीकरण पर्याप्त है तथा ट्रेड लाइसेंस की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश में व्यापार करने के लिए उ.प्र. दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 के अतर्गत पंजीकरण के नवीनीकरण की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। यदि दुकान में शून्य कर्मचारी है तो उ.प्र. दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 के अतर्गत पंजीकरण की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है। उद्यमों से संबंधित अनुपालनों के उल्लंघन के अपराधों के निरपराधीकरण (डिक्रिमिनलाइजेशन) के लिए अग्निशमन विभाग, श्रम विभाग, परिवहन विभाग व विधिक माप विज्ञान विभाग के कानूनों के अंतर्गत अपराधों की कम्पाउंडिंग कर दी गई है।

आज भी जारी रहा भाकियू लोकशक्ति का धरना-प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 28वें दिन धरना मनवीर भाटी की अध्यक्षता में तथा मास्टर श्यौराज राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के नेतृत्व में लगातार भारी बारिश होने के बावजूद भी चलता रहा। 28 दिन धरना लगातार चलते हुए आज तक शासन प्रशासन किसी ने भी धरने की शुध नहीं ली हालांकि 27अगस्त को प्रदेश व्यापी ज्ञापन पूरे उत्तर प्रदेश से जिला कार्यालय तथा प्रत्येक तहसील से मुख्यमंत्री के नाम पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा जाएगा और उसके बाद यमुना एक्सप्रेस-वे को जाम करने पर विचार किया जाएगा।

आज के धरने पर श्यौराज गोड़, ओमपाल भाटी,संत गोड़, टिंकू भाटी,राजन भाटी, राहुल भाटी शैलेश कुमार, हरिओम भाटी उपस्थित रहे।

किसान एकता महासंघ जेआईआईटी विद्या विहार इंजीनियरिंग का काम बंद कराया

दनकौर। किसान एकता महासंघ के कार्यकर्ताओं ने ई-11 जेपी ग्रीनस स्पोर्ट सिटी ईस्ट सेक्टर-19 में जेआईआईटी विद्या विहार इंजीनियरिंग निर्माणाधीन कॉलेज पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया।

संगठन के जिला अध्यक्ष अरविंद ने बताया कि 11 अगस्त को किसान एकता महासंघ के कार्यकर्ताओं ने जेआईआईटी विद्या विहार निर्माणाधीन कॉलेज सेक्टर-19 में हो रहे अवैध भूगर्भ जल दोहन के विरोध में वाइस प्रेसिडेंट सुधीर लांबा को ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई थी। मांग में कहा गयाकि जेआईआईटी विद्या विहार सेक्टर 19 यमुना विकास प्राधिकरण में हो रहे भूगर्भ जल दोहन बंद कर मोटर पंपों को एक सप्ताह में हटाया जाए इसके बावजूद भी 15 दिन बीतने पर भी मोटर पंपों को नहीं हटाया गया जिसके संबंध में किसान एकता महासंघ के कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना अपने सैकड़ो साथियों के साथ सुबह 11बजे जेआईआईटी विद्या विहार इंजीनियरिंग कॉलेज सेक्टर 19 निर्माणधीन साइट पर पहुंचे।

साइट पर हो रहे निर्माण कार्य को बंद कराया गया सूचना मिलने पर दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह व दनकौर कस्बा चौकी इंचार्ज रितेश शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे पुलिस प्रशासन ने जेपी ग्रींस स्पोर्ट्स सिटी प्रमुख ईश्वर सिंह एवं जे आई आई टी विद्या विहार वॉइस प्रेसिडेंट ब्रिगेडियर सुधीर लांबा के साथ वार्ता कराई।

वार्ता के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना ने चेतावनी भरे शब्दों में कहां किसी भी कीमत पर क्षेत्र में जल दोहन नहीं होने दिया जाएगा। साथ ही यह भी तय हुआ जब तक जल दोहन कर रहे वाटर पंपों को नहीं हटाया जाएगा तब तक साइट पर किसी भी तरह के निर्माण कार्य को नहीं होने दिया जाएगा। पुलिस प्रशासन के अनुरोध पर आज का सांकेतिक धरना समाप्त कर दिया गया है।

इस मौके पर रमेश कसाना, राजवीर ठेकेदार,मास्टर इंद्रपाल सिंह, उमेद कसाना,रवि नागर, डॉ जाफर खान, अमित नागर,बलजीत हवलदार,गजराज कसाना,ब्रह्म सिंह,रज्जाक ठेकेदार, पंकज नागर,हरेंद्र कसाना,नीरज कसाना, गिर्राज कसाना,सिकंदर सिंह मकनपुर,सुखचैन कसाना,सरजीत कसाना, प्रताप खटाना,ओमेंद्र सिंह,कुलदीप राजपूत, कपिल शर्मा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

बलात्कार के आरोप के मामले में जिला अदालत ने दी जमानत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिले की सिविल एवं सत्र अदालत ने धारा 376(2)n के आरोप में जेल भेजे गए आरोपी को जमानत दे दी, आरोपी के अधिवक्ता देवेन्द्र चौधरी ने बताया की आरोपी पर रेप करने का आरोप लगाया गया था।

थाना जारचा में एक महिला ने पुलिस को चार अप्रैल 2025 को तहरीर देकर आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपी ने मेरे साथ कई बार बलात्कार किया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना की। और आरोपी को जेल भेज दिया आरोपी ने आरोपों को गलत बताया। आरोपी के अधिवक्ता देवेन्द्र चौधरी ने बताया की आरोपी के पिता की ओर से जिला एव सत्र न्यायालय में जमानत के लिए अर्जी दी गई, सुनवाई के बाद जिला एव सत्र न्यायालय ने बीस अगस्त 2025 को जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद अदालत ने आरोपी की 26 दिन की न्यायिक अभिरक्षा के बाद आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए रिहाई का आदेश दिया।

पृष्ठ एक के शेष....

विकास के हाईवे पर....

बोए गए थे। 2012 में, जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब मैंने मारुति सुजुकी को हंसलपुर में जमीन अलॉट की थी। विजन उस समय भी आत्मनिर्भर भारत का था, मेक इन इंडिया का था। हमारे तब के प्रयास आज देश के संकल्पों को पूरा करने में इतनी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। अब दुनिया के दर्जनों देशों में जो EV चलेगी, उसमें लिखा मेड इन इंडिया।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं सभी राज्यों को निमंत्रण देता हूं। आइए, रिफॉर्म्स की स्पर्धा करें, प्रो डेवलपमेंट नीति की स्पर्धा करें, गुड गवर्नेंस की स्पर्धा करें। 2047 तक विकसित भारत बनाने की गति को और तेज करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के पास डेमोक्रेसी की शक्ति है। भारत के पास डेमोग्राफी का एडवांटेज है। हमारे पास स्कील्ज वर्कफोर्स का बहुत बड़ा पूल भी है। इसलिए ये हमारे हर पार्टनर के लिए विन-विन सिचुएशन बनाता है। आज सुजुकी जापान भारत में मैन्युफैक्चरिंग कर रही है और यहां बनी गाड़ियां वापस जापान को एक्सपोर्ट की जा रही हैं। यह भारत और जापान के रिश्तों की मजबूती का प्रतीक तो है ही, साथ ही भारत को लेकर ग्लोबल भरोसे को भी दर्शाता है।

सौरभ भारद्वाज के 13....

11 ग्रीनफील्ड और 13 ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट शामिल थे। जांच में यह सामने आया कि शहरभर में अस्पतालों, पॉलीक्लिनिक और आईसीयू निर्माण में अनियमितताएं, कार्य में देरी और फंड की गड़बड़ियाँ हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कई मामलों में लागत में कई सौ करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई, और तय समयसीमा के भीतर एक भी प्रोजेक्ट पूरा नहीं हो पाया।

इस पूरे मामले की शुरुआत 22 अगस्त 2024 को उस समय के दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता द्वारा की गई शिकायत से हुई थी। शिकायत में जीएनसीटीडी के तहत चल रही स्वास्थ्य परियोजनाओं में गंभीर अनियमितताओं और कथित भ्रष्टाचार का हवाला दिया गया। विशेष रूप से पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन पर परियोजनाओं के बजट में हेराफेरी, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग और निजी ठेकेदारों के साथ मिलीभगत के आरोप लगाए गए थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत ....

एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा सम्बन्धित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद, जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन सन्धि हेतु इच्छुक हों, वे मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किये जाएंगे।

पुश्ता पर एलिवेटेड ....

और यमुना विकास प्राधिकरण करेगा। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में चर्चा के बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई थी। पहले ये एक्सप्रेस 6 लेन का एलिवेटेड और आठ लेन ऑन ग्राउंड बनाया जाना था। लेकिन अब इसे सिर्फ एलिवेटेड ही बनाया जाएगा। हालांकि अब सिंचाई विभाग की एनओसी का इंतजार है। इसके मिलते ही एनएएच घोषित कराया जाएगा।

दरअसल ये एक्सप्रेस वे छह लेन एलिवेटड होगा। ये ओखला बैराज से हिंडन यमुना होते हुए यमुना एक्सप्रेस वे तक जाएगा। ये नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए दिल्ली से सीधे कनेक्टिविटी भी होगी। इसका फायदा तीनों प्राधिकरण नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस वे को होगा। प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने बताया कि बोर्ड में चर्चा के बाद जो भी निर्णय आया है उसका उसका पालन किया जाएगा। ये लिंक ट्रैफिक लोड को देखते हुए बहुत अहम है।

ट्रक की टक्कर से...

उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने दोनों को ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। यहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने प्रशांत को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में घायल रोहित की हालत गंभीर बनी हुई है।

नामी रेस्टोरेंटों में चोरी....

उसने कुछ दिन पहले सेक्टर 18 नोएडा में स्थित बीकानेर वाला और स्टारबक्स रेस्टोरेंट में भी लैपटॉप चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। वह महंगे रेस्टोरेंट में जाकर छोटा-मोटा ऑर्डर करता था और इस दौरान ऐसे लोगों को चुनता था जो अपने लैपटॉप बैग को लेकर लापरवाह दिखते थे। मौका पाकर वह लैपटॉप बैग व अन्य सामान लेकर रेस्टोरेंट से निकल जाता था। चोरी के सामान को वह राह चलते लोगों को बेच देता था। चोरी के समान को बेचकर मिले पैसों से वह अपने शौक पूरे करता था। थाना प्रभारी के मुताबिक पकड़े गए आरोपी ने चोरी की कई अन्य घटनाओं को भी अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

करोड़ों रुपये के टैक्स घोटाले में मुकदमा दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-3 में पंजीकृत एक फर्जी कंपनी के जरिये करोड़ों रुपये के टैक्स घोटाले का मामला सामने आया है। दस्तावेजों पर चल रही फर्म के संचालकों ने 30 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार दिखाकर उसके छह करोड़ 42 लाख रुपये का आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) दावा करके राजस्व चोरी कर लिया। फेज-वन थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राज्य कर सहायक आयुक्त महेंद्र चौधरी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 17 अगस्त 2022 को सेक्टर-3 के पते पर हनुमंत टेक्नो सोलर प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जीएसटी पर पंजीकरण कराया। दस्तावेजों में फर्म के प्रबंध निदेशक वाहिद हुसैन निवासी कोटा राजस्थान और निदेशक इरशाद अली निवासी कोटा राजस्थान के नाम थे। फर्म के बारे में गुप्त सूचना मिलने पर आठ अगस्त 2024 को एसआईबी द्वारा जांच की गई। तब पता चला कि फर्म निर्धारित पते पर कार्यशील नहीं है। इसके संबंध में नोटिस भेजे गए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। पोर्टल पर उपलब्ध नंबर पर संपर्क करने पर एक नंबर पर सपंर्क किया तो उसने अपना नाम सूरज बताया। उसने बताया कि वह मध्य प्रदेश के गुना जिले का रहने वाला है। वह चांदी की पायल और क्रत्रिम जेवरात बेचने का काम करता है। उसने बताया कि वाहिद भी उसके साथ में ही काम करता है। कुछ देर बाद उसने वाहिद से बात कराई। तब वाहिद ने बताया कि उसकी नौकरी लगवाने के लिए राधे नामक व्यक्ति ने उससे दस्तावेज लिए थे। अब उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। फर्म के रिकॉर्ड के मुताबिक पता चला कि आरोपियों ने दस्तावेजों पर फर्जी फर्म बनाकर 30 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार दिखाया। उसके आधार पर छह करोड़ 42 लाख रुपये का आईटीसी दावा किया। यह आईटीसी आगे पास ऑन कर विभाग को करोड़ों के राजस्व का नुकसान पहुंचाया। यह कंपनी सिर्फ दस्तावेजों पर मौजूद थी और इसका इस्तेमाल टैक्स चोरी के लिए किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

'मैक्सिको में कायकिंग से लेकर अंतरिक्ष में कैमरे के इस्तेमाल तक'

शुभांशु शुक्ला ने बताई पूरी कहानी

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने बताया एक्सिओम-4 मिशन से पहले उन्हें कई तैयारियों से गुजरना पड़ा। इनमें कृत्रिम वातावरण में जीवन की रक्षा का परीक्षण, अंतरिक्ष में अपने अनुभव को संजोने के लिए फोटोग्राफी का प्रशिक्षण और टीम भावना को मजबूत करने के लिए मैक्सिको के समुद्री तट पर कायकिंग जैसी गतिविधियां शामिल थीं। शुक्ला ने रविवार को एक्सिओम-4 मिशन और उसके लिए दिए गए प्रशिक्षण के अनुभव साझा किए। यह मिशन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए था।

ग्रुप कैप्टन शुक्ला को उनके सांकेतिक नाम 'शक्स' से भी जाना जाता है। एक्सिओम-4 मिशन को कई बार टाला गया था। इसके बाद 25 जून को अमेरिका के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से ड्रैगन अंतरिक्षयान लॉन्च किया गया, जिसमें शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री सवार हुए थे। शुक्ला ने बताया कि यह इतना शक्तिशाली होता है कि आपके शरीर की हर हड्डी को हिला देता है। आप 0 से 28,500 किलोमीटर प्रति घंटी की रफ्तार तक केवल 8.5 मिनट में पहुंचते हैं। इससे इसकी ताकत का अंदाजा लगाया जा सकता है। जब अंतरिक्षयान लॉन्च हुआ तो भारत और दुनियाभर में लोगों ने इस मिशन की कामयाबी के लिए तालियां बजाईं और जब 15 जुलाई को उनकी धरती पर वापसी हुई तो फिर से जश्न मनाया गया। लखनऊ में जन्मे शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने इस अनुभव को बेहद रोमांचक बताया।

भारतीय वायुसेना की ओर से नई दिल्ली के सुब्रतो पार्क में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहां शुक्ला ने 20 दिनों के अंतरिक्ष मिशन की कुछ दिलचस्प बातें साझा कीं। इस मिशन से पहले उन्हें कई महीनों तक कठिन प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा था। उन्होंने बताया कि जब आप आईएसएस पर जाते हैं, तो यह बिल्कुल ऐसे है जैसे आप किसी नए घर में रह रहे हैं। वहां के अपने नियम होते हैं, जैसे खाना कैसे खाओगे सोओगे या शौचालय कैसे जाओगे। सबसे कठिन काम वास्तव में अंतरिक्ष में वॉशरूम जाना होता है। शुक्ला 2006 में भारतीय वायु सेना में शामिल हुए थे। वह 10 अक्तूबर को 40 साल के हो जाएंगे। वह एक अनुभवी टेस्ट पायलट हैं, जिन्होंने सुखोई-30 एमकेआई, मिग-29, जगुआर और डोर्नियर-228 जैसे लड़ाकू विमान 2,000 घंटे से अधिक समय तक उड़ाए हैं।

ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने बताया कि वह बचपन में एक शर्मीले और शांत इंसान थे और राकेश शर्मा की 1984 मं अंतरिक्ष यात्रा की कहानियां सुनते हुए बड़े हुए। आज वहीं शुक्ला अब स्कूल के बच्चों को ऑटोग्राफ दे रहे हैं और वायु सेना के उनके साथ साथी उसे फोटो खिंचवाने की लाइन में लगे हैं। जब उनसे पूछा गया कि यह बदलाव कैसा लगता है, तो उन्होंने कहा, अद्भुत लगता है ये देखना कि आज के बच्चे अंतरिक्ष और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को लेकर कितने उत्साहित हैं।

भारी बारिश ने मचाई तबाही-सड़कें बहने से कई मार्गों से संपर्क टूटा

कठुआ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। जिलाभर में बारिश ने फिर तबाही मचाई है। दर्जनों कच्चे मकानों को बारिश और बाढ़ से नुकसान की जानकारी जहां सामने आ रही है वहीं पूरे जिले में सबसे ज्यादा नुकसान सड़क नेटवर्क को पहुंचा है। जिला मुख्यालय कठुआ का सभी सब डिवीजनों से सीधा संपर्क कट चुका है। जम्मू पठानकोट नेशनल हाईवे के पैरलल चलने वाले सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण धार सड़क तक पहुंचाने वाले लखनपुर महानपुर और दियालाचक छलां मार्ग बंद हैं।

उधर, सीमावर्ती इलाकों से सांबा तक जोड़ने वाला ओल्ड सांबा कठुआ भी बंद हो गया है। महानपुर का बसोहली से तो वहीं बसोहली का बनी से संपर्क कट चुका है। शनिवार देर रात से जारी मूसलाधार बारिश के चलते जिले के सभी नदी नाले उफान पर आ गए हैं। बनी में सेवा, कठुआ में उज्ज, सहार और मग्गर खड्ड उफान पर रहे।

'राहुल आदतन झूठे', 'वोट चोरी' के आरोपों पर फडणवीस

> राज-उद्धव ठाकरे ने पार्टी कार्यकताओं को चेताया

मुंबई, 26 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को आदतन झूठा कहा और भाजपा पर लगे 'वोट चोरी' के आरोपों को खारिज कर दिया। फडणवीस ने कहा कि विपक्षी नेताओं का यह झूठ केवल खुद को तसल्ली देने के लिए हैं। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैं पहले भी कह चुका हूं कि राहुल गांधी आदतन झूठ बोलने वाले हैं। वह लगातार झूठ फैलाते रहते हैं। दुख होता है जब कुछ महाराष्ट्र के नेता भी यह मानने लगते हैं कि राहुल गांधी सच बोल रहे हैं। राहुल गांधी के इस आरोप पर कि भाजपा ने वोट चुराए, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि झूठ की कोई बुनियाद नहीं होती।

उन्होंने कहा, झूठ पर खड़ा किया गया किला टिकता नहीं है। जब तक उन्हें यह समझ नहीं आएगा कि जनता का विश्वास जीतने के लिए जनता के बीच जाना पड़ता है, तब तक उनका झूठ सिर्फ खुद को बहलाने के लिए होगा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा में वोट चुराए गए और अब बिहार में भी वोट चोरी की कोशिश की जा रही है। उनका आरोप है कि यह सब केंद्र की भाजपा सरकार और चुनाव आयोग की मिलीभगत से हो रहा है। कई अन्य विपक्षी दलों ने भी 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाया है।

महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ने 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाया है और अपने-अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे मतदाता सूची को ठीक से जांचें और फर्जी मतदाताओं की पहचान करें। ठाकरे भाइयों का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कई अन्य विपक्षी दल भी मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोप लगा चुके हैं। पिछले साल महाराष्ट्र की 288 सीटों वाली विधानसभा के चुनाव में उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की राकांपा (शरदचंद्र पवार) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ी थी और 20 सीटें जीती थीं। वहीं, राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को एक भी सीट नहीं मिली थी। अटकलें हैं कि आगामी नगर निगम चुनावों, खासकर प्रभावशाली बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के बीच गठबंधन हो सकता है। वहीं, मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को कहा था कि वह 2016 से वोट चोरी का मुद्दा उठाते आ रहे हैं।

लुधियाना में श्रीगुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी

महिला ने सारे कपड़े उतार फेंकें, पति वहीं खड़ा था; चाबियां चोरी होने पर बुलाया था

लुधियाना, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना के श्री गुरुद्वारा साहिब में बेअदबी की घटना सामने आई है। एक महिला ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष अपने कपड़े उतारकर फेंक दिए। वहां अरदास करने पहुंचे लोगों ने किसी तरह उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी और हंगामा करती रही।

इसके बाद संगत ने मौके पर जाकर महिला को काबू किया। महिला ने यह हरकत अपने पति के सामने की। घटना श्री गुरुद्वारा साहिब में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। इसका वीडियो सामने आने के बाद संगठन अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के सदस्य जसवंत सिंह चीमा की शिकायत पर थाना साहनेवाल की पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ धारा 298 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि महिला ने ऐसा क्यों किया। शुरूआती जांच में चाबियां चोरी होने का मामला सामने आया है। जिसको लेकर महिला पर शक था। फिलहाल, रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पति की मौजूदगी में उतारे महिला ने कपड़े

पुलिस को जानकारी देते हुए जसवंत सिंह चीमा ने कहा कि मैं अकाली दल (वारिस पंजाब दे) का सदस्य हूं। मुझे सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो से पता चला कि गांव जुगियाणा थाना साहनेवाल के अधीन गुरुद्वारा श्री रविदास जी महाराज में 21 अगस्त को एक महिला अपने पति के साथ पहुंची।

एल्विश यादव के घर फायरिंग में दो और शूटर गिरफ्तार

> अमेरिका से गैंगस्टर भाऊ दे रहा था आदेश > शाहबाद इलाके में छिपे थे

गुरुग्राम, 26 अगस्त (एजेंसियां)। गुरुग्राम में यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर हुई फायरिंग मामले में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो और शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फरीदाबाद के गौरव और आदित्य के रूप में हुई है, जो दिल्ली के शाहबाद इलाके में छिपे हुए थे।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक दोनों आरोपी कुख्यात गैंगस्टर हिमांशु भाऊ के लिए काम करते थे और उससे अमेरिका में रहते हुए सिग्नल एप के माध्यम से संपर्क में थे। बता दें कि 17 अगस्त को एल्विश यादव के घर पर 24 राउंड फायरिंग हुई थी, जिसमें दरवाजों, खिड़कियों और छत की सीलिंग तक पर गोलियों के निशान मिले थे।

गैंगस्टर नेटवर्क से जुड़ा मामला

पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी और इस मामले में पहले ही दो आरोपी पकड़े जा चुके हैं। हालांकि फायरिंग की इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। एल्विश यादव गुरुग्राम का लोकप्रिय यूट्यूबर है, जो अपने वीडियो कंटेंट के कारण युवाओं के बीच खासा मशहूर है। यह मामला अब साफ तौर पर गैंगस्टर नेटवर्क और यूट्यूबर को डराने की साजिश से जुड़ा नजर आ रहा है।

एल्विश के घर फायरिंग का टास्क

अमेरिका में बैठे हिमांशु भाऊ ने अपने गैंग के शूटरों को एल्विश यादव के घर पर फायरिंग का टास्क दिया था। गौरव और आदित्य को इस काम को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस जिम्मेदारी को उन्होंने बखूबी निभाया भी। इसके वारदात के बाद एल्विश के घर पर पुलिस सिक्योरिटी दी गई है। हालांकि एल्विश को 22 अगस्त को घर आना था, लेकिन वह अभी तक घर नहीं लौटा है।

सिग्नल एप पर करते हैं बात

पुलिस सूत्रों के अनुसार हिमांश भाऊ अमेरिकन सिग्नल ऐप पर बात करते थे। यह एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन का उपयोग करता है, जिसका अर्थ है कि आपके मैसेज को केवल आप और प्राप्तकर्ता ही पढ़ सकते हैं। सिग्नल टेक्स्ट, वॉयस मैसेज, फ़ोटो, वीडियो और फाइलें भेजने के साथ-साथ वॉयस और वीडियो कॉल के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। सिग्नल अपनी मजबूत सेफ्टी और प्राइवेसी के कारण उन लोगों और संगठनों के बीच एक लोकप्रिय विकल्प बन गया है जो अपने डेटा को निगरानी, छेड़छाड़ और हैकिंग से बचाना चाहते हैं।

इस मामले में दो आरोपी पहले पकड़े जा चुके

एल्विश के घर पर फायरिंग के मामले में दो आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके हैं। इसमें फरीदाबाद के ईशांत को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने अरेस्ट किया था। वहीं रेपिडो बाइक ड्राइवर जतिन (उम्र 24 वर्ष) निवासी पर्वतीय कॉलोनी, जिला फरीदाबाद को गिरफ्तार किया था।

लीवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के बाद पहले पति और फिर पत्नी की मौत को लेकर बवाल

> *अस्पताल को नोटिस जारी*

पुणे, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पुणे के एक निजी अस्पताल में लीवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के बाद एक दंपती की मौत हो गई। पत्नी ने अपने पति को लीवर का एक हिस्सा दान किया था। पहले पति की मौत हुई और फिर कुछ दिन बाद पत्नी की भी मौत हो गई। इस घटना के बाद महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल को नोटिस जारी किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य सेवा विभाग के उप निदेशक डॉ. नागनाथ येमपल्ले ने बताया कि सह्याद्री अस्पताल को ट्रांसप्लांट प्रक्रिया से जुड़े सभी दस्तावेज और जानकारी सोमवार सुबह 10 बजे तक जमा करने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि अस्पताल से प्राप्तकर्ता और दाता (डोनर) दोनों की वीडियो रिकॉर्डिंग, इलाज की पूरी प्रक्रिया और अन्य जानकारी मांगी गई है। बापू कोमकर और उनकी पत्नी कामिनी ने 15 अगस्त को पुणे के सह्याद्री अस्पताल में लीवर ट्रांसप्लांट की सर्जरी करवाई थी। ट्रांसप्लांट के बाद बापू की तबीयत बिगड़ने लगी और 17 अगस्त को उनकी मौत हो गई। इसके बाद कमिनी को 21 अगस्त को संक्रमण हो गया और इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। परिवारवालों ने इस पूरी घटना में उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। वहीं, अस्पताल की ओर से जारी बयान में कहा गया कि दोनों सर्जरी तय मानकों के मुताबिक की गई थीं। अस्पताल ने नोटिस मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करा है। अस्पताल ने बताया कि बापू कोमकर पहले से ही हाई-रिस्क मरीज थे और उन्हें कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं।

'मौत की सजा को अनुच्छेद 32 के तहत चुनौती दी जा सकती है'

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। मौत की सजा पाए एक दोषी की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत मौत की सजा को भी प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों के उल्लंघन के आधार पर चुनौती दी जा सकती है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने वसंत संपत दुपारे की याचिका पर यह टिप्पणी की। दुपारे को अप्रैल 2008 में चार साल की एक बच्ची से दुष्कर्म करने और निर्ममता से उसकी हत्या करने के मामले में मौत की सजा सुनाई गई थी। दुपारे ने बच्ची को चॉकलेट देने के बहाने बुलाया और दुष्कर्म के बाद पत्थर से उसका सिर कुचलकर हत्या कर दी थी।

सोमवार को जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने दुपारे की याचिका को अनुच्छेद 32 के तहत दायर करने की अनुमति दे दी। पीठ ने माना कि दुपारे के मामले में प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों का उल्लंघन हुआ। पीठ ने कहा कि साल 2022 में मनोज बनाम मध्य प्रदेश के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिशा-निर्देश तय किए थे, जिनके तहत सत्र अदालत आरोपी को मौत की सजा देने से पहले उसकी मानसिक और मनोवैज्ञानिक रिपोर्ट का भी मूल्यांकन करे। पीठ ने कहा कि अनुच्छेद 32 के तहत प्रावधान है कि अगर मौत की सजा देते हुए मनोज बनाम मध्य प्रदेश मामले में दिए गए दिशा निर्देशों का पालन नहीं किया गया है तो मौत की सजा के मामले पर फिर से सुनवाई की जा सकती है।

बटाला पुलिस को सफलता

चार हथगोले समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार-दूसरा फरार

चंडीगढ़, 26 अगस्त (एजेंसियां)। बटाला पुलिस ने बलपुरा गांव से 4 हथगोले (एसपीएल एचजीआर-84), 1 आरडीएक्स-आधारित आईईडी (दो किग्रा) और संचार उपकरण बरामद कर एक आतंकी मॉड्यूल को नाकाम कर दिया। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह खेप ब्रिटेन स्थित बीकेआई आतंकवादी निशान सिंह उर्फ निशान जोडिया के निर्देश पर रखी गई थी, जो पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा समर्थित पाक स्थित आतंकवादी हरविंदर सिंह रिंदा के निर्देशों पर काम कर रहा था। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दूसरा फरार है; उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

दिल्ली में वकीलों की हड़ताल

सड़क ब्लॉक कर एलजी के खिलाफ जमकर प्रदर्शन

राउज ऐवन्यू कोर्ट के बाहर रोड बंद

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में उपराज्यपाल के एक आदेश के खिलाफ वकीलों की हड़ताल जारी है। वकीलों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक आदेश को वापस नहीं लिया जाएगा, तब तक जिला अदालतों में कामकाज ठप रहेगा। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय से कुछ दूरी पर वकीलों ने सड़क ब्लॉक करके दिल्ली के एलजी के खिलाफ प्रदर्शन किया। राउज ऐवन्यू कोर्ट के सामने पंडित दीन दयाल उपाध्याय रोड को वकीलों ने बंद कर दिया है। दिल्ली की निचली अदालतों में वकीलों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी है।

'पीड़ित और कानूनी वारिस भी आरोपी के बरी होने पर कर सकते हैं अपील'

सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि अपराध के शिकार पीड़ित और उनके कानूनी वारिस आरोपी की बरी के खिलाफ अपील दाखिल कर सकते हैं। कोर्ट ने साफ किया कि अपराध पीड़ित का अधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि दोषी करार दिए गए आरोपी का। यह फैसला न्याय और संतुलन के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस के वी विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि किसी अपराध के पीड़ित को भी यह अधिकार है कि वह निचली अदालत के फैसले के खिलाफ उच्च अदालत में अपील कर सके।

अदालत ने कहा कि यह अधिकार केवल दोषी करार व्यक्ति या राज्य को ही नहीं, बल्कि पीड़ित और उसके वारिसों को भी मिलना चाहिए।

धारा 372 के तहत अपील का अधिकार

कोर्ट ने कहा कि आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 372 में 2009 में एक प्रावधान जोड़ा गया था, जिसके तहत पीड़ित पक्ष को भी अपील का अधिकार दिया गया।

यह अधिकार इस बात से स्वतंत्र है कि पीड़ित शिकायतकर्ता है या नहीं। अदालत ने कहा कि जैसे आरोपी को धारा 374 के तहत अपील करने का अधिकार है, वैसे ही पीड़ित को भी अपील का अधिकार होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि अपील के दौरान पीड़ित की मृत्यु हो जाती है, तो उसके कानूनी वारिस उस अपील को आगे बढ़ा सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि यह व्यवस्था न्याय सुनिश्चित करने और अपराध के पीड़ितों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए बेहद जरूरी है।

न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम इस फैसले के बाद अब पीड़ित या उनके वारिस न केवल आरोपी की बरी के खिलाफ, बल्कि हल्की सजा या अपर्याप्त मुआवजे के खिलाफ भी अपील कर सकेंगे। अदालत ने कहा कि पीड़ित का अधिकार सीमित नहीं किया जा सकता। इस ऐतिहासिक फैसले को न्याय व्यवस्था में संतुलन और पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है।

विधायक राहुल ममकूटाथिल कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित

> *मलयालम अभिनेत्री ने लगाए थे गंभीर आरोप*

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। लेखिका हनी भास्करन और मॉडल रिनी एन जॉर्ज की ओर से लगाए गए अश्लील आचरण के आरोपों के बाद कांग्रेस पार्टी ने पलक्कड़ के विधायक राहुल ममकूटाथिल को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है। हालांकि, वह विधायक के रूप में कार्य करते रहेंगे। बढ़ते विरोध, कार्रवाई और इस्तीफे की मांग के बीच यह निलंबन किया गया है। ममकूटाथिल ने पहले ही युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

इस्तीफे की मांग और विरोध प्रदर्शन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) गंभीर के आरोपों को लेकर पलक्कड़ के विधायक राहुल ममकूटाथिल के इस्तीफे की मांग और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की युवा शाखा, डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) ने केरल के पलक्कड़ में एक विरोध मार्च निकाला था और राहुल ममकूटाथिल के विधायक पद से इस्तीफे की मांग की थी।

पूरा मामला क्या है?

ममकूटाथिल ने हाल ही में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, जब मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने एक प्रसिद्ध राजनीतिक दल के युवा नेता पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था। उसके बाद भाजपा और माकपा की युवा शाखा डीवाईएफआई ने विरोध प्रदर्शन किया था। नेता पार्टी की आंतरिक जांच का भी सामना कर रहे थे। इसके बाद कई महिलाओं और एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति ने उन पर इसी तरह के आरोप लगाए और राजनीतिक विरोधी विधायक पद से उनके इस्तीफे के लिए दबाव बढ़ा रहे थे।

ममकूटाथिल के खिलाफ कई आरोप

शुक्रवार को केरल के कोझिकोड निगम क्षेत्र से भाजपा परिषद दल की नेता नव्या हरिदास ने आरोप लगाया था कि ममकूटाथिल के खिलाफ कई और आरोप लगाए गए हैं। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया था कि कई महिलाओं और यहां तक कि ट्रांसजेंडर लोगों ने भी पलक्कड़ विधायक के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई हैं।

दिग्विजय और कमलनाथ के बयानों पर बीजेपी का तंज

> गुट और गिरोह में बंटी कांग्रेस की हालत 'बत से बदतर'

भोपाल, 26 अगस्त (एजेंसियां)। 2020 में कांग्रेस सरकार गिरने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बयानों ने एक बार फिर सियासी माहौल गर्मा दिया है। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस की अंदरूनी बयानबाजी पर जमकर तंज कसा है। प्रदेश सरकार के मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि गुट और गिरोह में बंटी कांग्रेस की स्थिति दिन-प्रतिदिन 'बत से बत्तर' होती जा रही है। मंत्री सारंग ने पूर्व सीएम कमलनाथ की सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस में गुटबाजी और अविश्वास चरम पर है। उन्होंने कहा कि कमलनाथ सरकार के समय ही यह सवाल उठता था कि वास्तव में सरकार कौन चला रहा है। आज खुद कमलनाथ के बयान से यह बात साफ हो रही है।

उद्योगपति कांग्रेस की कलह सुलझाते थे-शर्मा

हुजूर से विधायक और पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने भी कांग्रेस नेताओं पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि "कमलनाथ और दिग्विजय सिंह कल भी लड़ रहे थे और आज भी लड़ रहे हैं। अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत।" शर्मा ने कहा कि तत्कालीन मंत्री उमंग सिंघार भी कह चुके थे कि सरकार दिग्विजय सिंह चला रहे थे और उद्योगपति कांग्रेस की कलह सुलझाते थे। जनता से वादे निभाने में नाकाम कांग्रेस के रवैए से ही ज्योतिरादित्य सिंधिया को विरोध करना पड़ा और अंततः उन्होंने भाजपा का दामन थामा। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कमलनाथ का यह स्वीकारोक्ति बयान साबित करता है कि कांग्रेस की सरकार वास्तव में 'मिस्टर बंटाधार' चला रहे थे। उन्होंने कहा कि उस दौर में माफिया और भ्रष्टाचार का शिकंजा था, अव्यवस्था का बोलबाला था।

यही वजह रही कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जनता के हित में भाजपा के साथ मिलकर स्थिर और विकासोन्मुख सरकार बनाई। अग्रवाल ने आगे कहा कि आज कांग्रेस के भीतर गुटबाजी और कलह चरम पर है और इसका सबसे बड़ा कारण फिर वही चेहरा है- दिग्विजय सिंह। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए लिखा कि "सत्ता में हो तो भी नकारा, विपक्ष में हो तो भी नकारा। जनता का विश्वास केवल भाजपा की सेवा, सुशासन और विकास की नीति पर है।"

शरीर के किस भाग में जमा होता है सबसे ज्यादा कोलेस्ट्रॉल, इन बीमारियों से अधिक है खतरा

कोलेस्ट्रॉल की समस्या आम हो चली है. ऐसा हमारी खराब लाइफस्टाइल के कारण हो रहा है. खराब खान-पान की वजह से शरीर में वसायुक्त पदार्थ जमा हो जाता है, जो कि ब्लडफ्लो को बाधित करता है. इससे हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्थिति आ सकती है. कोलेस्ट्रॉल सिर्फ हार्ट को ही प्रभावित नहीं करता बल्कि शरीर के कुछ अंगों को भी उतना ही प्रभावित करता है. आइए जानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल शरीर के किस अंग में सबसे ज्यादा स्टोर होता है?

कोलेस्ट्रॉल की सबसे ज्यादा मात्रा

कोलेस्ट्रॉल की समस्या तब होती है, जब हम अत्यधिक तला-भुना खाएं. कोलेस्ट्रॉल की समस्या मुख्यतः तभी होती है. यह सबसे ज्यादा नसों की दीवारों पर चिमकता है, खासकर धमनियों में जमा होता है. इससे नसें और धमनियां पतली होने लगती हैं. इसकी अत्यधिक मात्रा ब्लड फ्लो को बाधित करती है.

कुछ खास बीमारियों का खतरा

हार्ट अटैक का खतरा

धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से रक्त प्रवाह बाधित होता है, जिससे हृदय तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है. यह स्थिति हार्ट अटैक का प्रमुख कारण बन सकती है. विशेष रूप से, कोरोनरी धमनियों में प्लाक का निर्माण हृदय रोगों को बढ़ावा देता है.

स्ट्रोक का जोखिम

मस्तिष्क की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से रक्त प्रवाह रुक सकता है, जिससे स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है. यह मस्तिष्क के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप लकवा या बोलने में कठिनाई जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

पेरिफेरल आर्टरी डिजीज

पैरों और हाथों की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से पेरिफेरल आर्टरी डिजीज हो सकती है. इससे पैरों में दर्द, सुन्नता और गंभीर मामलों में ऊतकों को नुकसान हो सकता है.

हाई ब्लड प्रेशर

कोलेस्ट्रॉल के कारण धमनियां संकरी हो जाती हैं, जिससे रक्तचाप बढ़ता है. यह हृदय पर अतिरिक्त दबाव डालता है और अन्य हृदय संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकता है.

वजन घटाने का ट्रेंड बन सकता है हार्ट अटैक की वजह, अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा

दुनियाभर में कई प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी, मोटापा और सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को इसका प्रमुख कारण माना जाता है। शोध बताते हैं, अगर हम सिर्फ अपने आहार में ही सुधार कर लें तो इससे बीमारियों के जोखिमों को काफी हद तक कम करने में मदद मिल सकती है।

यही कारण है कि आजकल इंटरमिटेंट फास्टिंग, फिटनेस और वजन घटाने का सबसे ट्रेंडिंग तरीका बन गया है। लोग इसे 'जादुई डाइट प्लान' मानकर अपनाने लगे हैं। अध्ययन भी कहते हैं कि इससे न सिर्फ वजन कंट्रोल होता है बल्कि ब्लड शुगर, मेटाबॉलिज्म और दिमाग की सेहत पर भी बेहतर असर देखा गया है।

लेकिन हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। जहां कुछ शोध बताते हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग जैसे डाइट प्लान आपकी सेहत में बेहतर सुधार करने में मददगार हैं, वहीं कुछ रिपोर्ट्स में ये भी चेतावनी दी गई है कि लंबे समय तक इंटरमिटेंट फास्टिंग करने से हृदय रोग और अचानक मौत का खतरा भी बढ़ सकता है।

मतलब साफ है कि इंटरमिटेंट फास्टिंग के लाभ जरूर हैं पर हर किसी के लिए ये एक जैसा फायदेमंद नहीं है। अगर आप भी इस तरह की डाइट का पालन कर रहे हैं तो ये रिपोर्ट आपके बड़े काम की है।

इंटरमिटेंट फास्टिंग को लेकर रही है काफी चर्चा

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने एक अध्ययन की रिपोर्ट में बताया कि बिना अपनी सेहत के बारे में जाने, लोगों को देखकर आप भी इंटरमिटेंट फास्टिंग कर रहे हैं तो इससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। 8 घंटे के सीमित समय में भोजन करने वाले इस डाइट प्लान से हृदय संबंधी मृत्यु का खतरा 91% बढ़ जाता है। इस बारे में जानने से पहले आइए समझ लेते हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग आखिर है क्या?

इंटरमिटेंट फास्टिंग एक काफी चर्चित डाइट प्लान है, जिसमें आप दिन के कुछ घंटे खाना खाते हैं और बाकी समय उपवास रखते हैं। ये आपके खाने के शेड्यूल से संबंधित प्लान है। इसका आसान सा नियम है - 16:8 का पालन करना यानी 16 घंटे उपवास और 8 घंटे में भोजन।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, इंटरमिटेंट फास्टिंग से वजन और पेट की चर्बी कम हो सकती है, ब्लड शुगर और इंसुलिन लेवल कंट्रोल में रहता है और सूजन कम होती है, जिससे बीमारियों का खतरा कम होता है।

हार्ट अटैक और मृत्यु का खतरा

इंटरमिटेंट फास्टिंग से होने वाले फायदों की खूब चर्चा रहती है, हालांकि जर्नल ऑफ अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि लंबे समय तक इंटरमिटेंट फास्टिंग हृदय संबंधी मृत्यु जैसे हार्ट अटैक के खतरे को 91% तक बढ़ा सकता है।

20,000 से ज्यादा वयस्कों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि जो लोग 8 घंटे के सीमित समय में भोजन करते थे और बाकी समय कुछ नहीं खाते थे उनमें हृदय रोग से मृत्यु का जोखिम 91% अधिक था। पहले से ही हृदय रोग या कैंसर से पीड़ित लोगों में भी हृदय संबंधी मृत्यु का जोखिम और भी बढ़ जाता है।

इंटरमिटेंट फास्टिंग का शरीर पर क्या होता है असर?

चीन स्थित शंघाई जियो टोंग यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में महामारी विज्ञान के प्रोफेसर और शोध के लेखक विक्टर वेन्जे झोंग कहते हैं, इंटरमिटेंट फास्टिंग के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों को समझने के लिए किए गए अध्ययन में पाया गया है कि यह हृदय रोग के जोखिमों को बढ़ाने वाला हो सकता है।

असल में इंटरमिटेंट फास्टिंग के जरिए कैलोरी को कंट्रोल करने का लक्ष्य होता है। कैलोरी पर बहुत ज्यादा या लंबे समय तक प्रतिबंध लगाने से रक्त शर्करा का स्तर कम हो सकता है, जिससे दिल की धड़कन बढ़ जाती है। अगर आप लंबे समय तक कुछ नहीं खा रहे हैं, लेकिन फिर भी दिनभर सक्रिय रहते हैं, तो संभव है कि इससे आपकी हृदय गति बढ़ जाए। इस तरह की अनियमितता के दीर्घकालिक दुष्प्रभाव देखे गए हैं।

प्रजनन स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है नकारात्मक प्रभाव

हृदय स्वास्थ्य पर इसके दुष्प्रभावों के अलावा एक अन्य अध्ययन में शोधकर्ताओं की टीम ने पाया कि इंटरमिटेंट फास्टिंग महिलाओं के प्रजनन हार्मोन को भी प्रभावित कर देती है। वैज्ञानिकों ने बताया कि इस तरीके को प्रयोग में लाने वाली महिलाओं में मां बनने से संबंधित समस्याओं के बारे में पता चला है। हार्मोन्स असंतुलन के कारण प्रजनन के साथ-साथ शरीर में और भी कई प्रकार की जटिलताओं का जोखिम हो सकता है, ऐसे में बिना डॉक्टरी सलाह के ऐसे उपायों को प्रयोग में लाने से बचा जाना चाहिए।

अध्ययन से पता चला है कि यह आहार पैटर्न, शरीर में आवश्यक इस हार्मोन के उत्पादन में कमी का कारण बनता है, जिसका अंडे की गुणवत्ता और ओवरी के कार्यों पर भी प्रभाव देखा गया है।

क्या वाकई ज्यादा पानी पीने से हाई ब्लड शुगर लेवल कम होता है?

आजकल बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल और गलत खानपान के चलते कई बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है, जिनमें से एक है डायबिटीज. देश में डायबिटीज के मरीज तेजी से बढ़ हैं, देश को डायबिटीज की राजधानी तक कहा जाने लगा है. डायबिटीज एक लाइलाज बीमारी है, हालांकि इसे कई तरीकों से कंट्रोल में रखा जा सकता है, लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए ब्लड शुगर को काबू में रखना एक बड़ी चुनौती होती है. अक्सर सुनने को मिलता है कि ज्यादा पानी पीने से ब्लड शुगर कम होता है, लेकिन इस बात में कितनी सच्चाई है आइए डॉ. पारस अग्रवाल (प्रोग्राम डायरेक्टर – डायबिटीज , ओबेसिटी और मेटाबोलिक डिसऑर्डर, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स गुरुग्राम) से जानते हैं.

पानी पीना सीधे तौर पर असरदार नहीं-

डॉ. ने बताया कि ज्यादा पानी पीने से शुगर लेवल कंट्रोल हो जाएगा, लेकिन पानी पीना सीधे तौर पर डायबिटीज या ब्लड शुगर को कंट्रोल नहीं करता. पानी हमारे शरीर के लिए ज़रूरी है, यह डिहाइड्रेशन से बचाता है और शरीर की सफाई करता है, लेकिन यह डायबिटीज की दवा या इलाज का ऑप्शन बिल्कुल नहीं है.

शरीर संतुलित रहता है-

पानी पीने से ब्लड शुगर अचानक कम नहीं होता, लेकिन यह शरीर से ज़्यादा शुगर को यूरिन के जरिए बाहर निकालने में मदद करता है.

डायबिटीज़ मरीजों को अक्सर बार-बार प्यास लगना और पेशाब ज्यादा आना जैसी समस्या होती है. प्रॉपर मात्रा में पानी पीने से शरीर संतुलित रहता है और किडनी पर दबाव कम होता है.

इन बातों पर दें ध्यान-

अगर किसी को डायबिटीज है, तो सिर्फ पानी पीकर बीमारी पर काबू नहीं पाया जा सकता, इसके लिए नियमित रूप से दवा लेना, हेल्दी डाइट फॉलो करना, मीठे और प्रोसेस्ड फूड से बचना और रोज़ एक्सरसाइज करना बहुत ज़रूरी है. डॉक्टर द्वारा बताए गए शुगर लेवल की जांच और इलाज को कभी इग्नोर नहीं करना चाहिए.

दिन में कितना पानी पीना जरूरी?

पानी पीना हेल्थ के लिए अच्छा है और डायबिटीज के मरीजों को रोज़ 7-8 गिलास पानी ज़रूर पीना चाहिए, लेकिन यह समझना ज़रूरी है कि केवल पानी पीना शुगर को कंट्रोल नहीं कर सकता. सही खानपान, जैसे ज्यादा हरी सब्ज़ियां, फल (डॉक्टर की सलाह अनुसार), साबुत अनाज और प्रोटीन लेना, डायबिटीज़ को कंट्रोल में रखने में ज्यादा मददगार है.

पैर की नस चढ़ जाने का कारण! चुटकियों में मिलेगा इस समस्या से आराम

क्या आपके साथ भी ऐसा हुआ है, जब रात में सोते समय अचानक आपके पैरों की नस चढ़ जाएं. आयुर्वेदिक डॉक्टर ने इस परेशानी के पीछे का मुख्य कारण बताया है. आइए जानते हैं.

सोते समय नस चढ़ना

कई बार सोते समय पैरों में अचानक से नस चढ़ जाती है. इसमें पैरों की नसों से तेज खिंचाव आता है. कुछ लोग इसे ऐंठन का नाम भी देते हैं. मगर क्या आप जानते हैं, ऐसा क्यों होता है?

तेज दर्द होने की समस्या

रात में सोते समय पैरों में इतनी तेज से नस चढ़ जाती है, जिसमें तेज दर्द होता है. यह दर्द इतना तेज होता है कि यह आपको गहरी से गहरी नींद से भी जगा सकता है.

आयुर्वेदिक डॉक्टर का मानना

आयुर्वेदिक डॉक्टर प्रताप चौहान ने बताया कि ऐसा तभी होता है, जब शरीर में वात दोष बढ़ जाए. इस कारण से पैरों में ऐंठन होती है.

लाइफस्टाइल का बड़ा रोल

वात दोष बढ़ने के पीछे आपकी खराब लाइफस्टाइल का बड़ा रोल होता है. देर रात तक फोन चलाना, नींद ना पूरी होना वात दोष को तेजी से बढ़ाने का काम करता है. इससे शरीर में ऐंठन जैसी समस्या होती है.

पैरों की नसें कमजोर होना

डॉक्टर बताते हैं कि लगातार देर तक खड़े रहने से भी पैरों की नसें कमजोर हो सकती हैं. इससे भी आपके पैरों की नसों में ऐंठन की समस्या हो सकती है. यह कमजोर मांसपेशियों और नसों का संकेत है.

बचाव के तरीके

डॉक्टर के अनुसार इस चीज से बचने के लिए आपको अपनी लाइफस्टाइल में बड़े बदलाव करने की जरूरत है. अच्छी नींद और हेल्दी खाना खाना इस समस्या से छुटकारा दिला सकता है.

चमत्कारी चूर्ण बनाएं

आयुर्वेद के अनुसार इन 3 चीजों से बना चूर्ण आपको पैरों की ऐंठन से छुटकारा दिला सकता है. इसके लिए आप अश्वगंधा, शतावरी और मिश्री को बारीक तरीके से पीसकर मिला लें. यह किसी चमत्कारी चूर्ण से कम नहीं है.

कैसे करना है सेवन?

अगर आपको अपने शरीर का वात दोष नियंत्रित करना है तो इसके लिए आप इस चूर्ण को गुनगुने दूध के साथ जरूर सेवन करना शुरू करें. अश्वगंधा शरीर को ताकत देती है और वात दोष को शांत करती है. वहीं शतावरी नसों को पोषण देती है और मिश्री पाचन को बढ़िया बनाता है.

ऑफिस में घंटों बैठना पड़ सकता है भारी! डेस्क जॉब वालों में बढ़ रहा है यूरिन इंफेक्शन का खतरा

आज के समय में हम में से कई लोग डेस्क जॉब करते हैं, ऐसे में हम घंटों एक ही जगह बैठे रहते हैं. इसके चलते कई गंभीर बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है. डॉ. अमित गोयल (निदेशक एवं प्रमुख, किडनी

ट्रांसप्लांट, यूरो-ऑन्कोलॉजी/रोबोटिक्स एवं यूरोलॉजी, मैक्स हॉस्पिटल, गुरुग्राम) ने बताया कि जब हम घंटों कुर्सी पर बैठे रहते हैं, तो ब्लैडर पर लगातार दबाव पड़ता है.

ऑफिस कल्चर में कई लोग मीटिंग या टारगेट की वजह से पेशाब रोककर रखते हैं. इसके साथ ही पानी कम पीना, बैक्टीरिया के पनपने के लिए सही माहौल तैयार करता है. यहीं कारण है कि डेस्क जॉब करने वाले लोगों में यूटीआई का खतरा तेजी से बढ़ रहा है. हालांकि यह समस्या महिलाओं में ज्यादा देखी जाती है, लेकिन अब कॉर्पोरेट और आईटी सेक्टर में काम करने वाले पुरुष भी इससे काफी इफ़ेक्ट हो रहे हैं.

किन लक्षणों को न करें नजरअंदाज-

पेशाब करते समय जलन या दर्द

बार-बार पेशाब आना

पेशाब का गाढ़ा, बदबूदार होना

निचले पेट में दर्द या भारीपन

बुखार, ठंड लगना और थकान (गंभीर मामलों में)

पुरुषों में दर्द के साथ स्खलन

अगर इन लक्षणों को समय पर ध्यान न दिया जाए तो इन्फेक्शन किडनी या पुरुषों में प्रोस्टेट तक फैल सकता है। इसलिए 1–2 दिन से ज्यादा समय तक लक्षण बने रहने पर तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट ज़रूर करें

प्रिवेंशन –

पानी ज्यादा पिएं

पेशाब न रोकें

हर आधे घंटे बाद थोड़ा चले

सफाई का ध्यान रखें: वॉशरूम से पहले और बाद में हाथ धोएं. महिलाएं हमेशा आगे से पीछे की ओर साफ करें

कॉटन कपड़े पहनें

संतुलित आहार लें

डेस्क जॉब आज की लाइफस्टाइल का हिस्सा है, लेकिन छोटी-छोटी प्रिवेंशन आपको यूटीआई से बचा सकती हैं. समय पर पानी पीना, शरीर के संकेतों को इग्नोर न करना और थोड़ी-बहुत मूवमेंट आपकी यूरिनरी हेल्थ को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकती है.

मोटापा दूर करने के सरल उपाय

प्रश्न : मेरा वजन 125 किलो है। मैं अपने मोटापे से परेशान हूं। मोटापे के कारण कौन-कौन से रोग हो सकते हैं? कृपया बताएं! इस स्थूलता को दूर करने के उपाय भी बताएं।

- हरिहर राव, करीमनगर

उत्तर : आपने अपनी उम्र नहीं बताई । यह तो तय है कि आपका वजन 125 किलो कोई सामान्य वजन तो नहीं है। मोटापा कई रोगों की जननी है। आयुर्वेद में वर्णित अष्टनिन्दित पुरुषों में मोटा व्यक्ति अति निन्दितों में अग्रगण्य है। मोटापे के कारण उच्च रक्तचाप, हृदय के रोग, रक्त संचरण के रोग, पक्षाघात, हृदय शूल, संधिवात, यूरिक एसिड बढ़ने से गठिया, पित्ताश्मरी आदि होने की संभावना रहती है। रजोनिवृत्ति के बाद मोटी स्त्रियों में स्तनार्बुद, अंडार्बुद, गर्भाशय का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटे लोग अक्सर मानसिक दबाव के शिकार हो जाते हैं। चलने- फिरने , उठने- बैठने में दिक्कत होने से रोगी चलना कम कर देता है और शारीरिक श्रम के नहीं होने के कारण भी मोटापा बढ़ने लगता है। स्थूलता का शिकार व्यक्ति अपने भूख प्यास के नियंत्रण में अक्षम हो जाता है ।और ज्यादा खाने से अधिक मोटा होने लगता है।

आयुर्वेद में इसका उपचार है। भोजन पर नियंत्रण आवश्यक है। गरिष्ठ भोजन, मिठाईयां, तैल -घी के बने पदार्थ , तले पदार्थ, दूध, मक्खन, पनीर आदि का प्रयोग और आरामपसंद जीवनशैली मोटापा बढ़ाते हैं। जंक फुड, फास्ट फुड से बचें। व्यायाम जरूरी है । रोज सुबह टहले। मॉर्निंग वाक कैलोरीज़ खर्च करवाता है । अतः इसे नित्य करें। सुबह उठते ही गुनगुना पानी पिएं। भोजन के पहले ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु और मेदोहर विडंगादि लौह टिकिया गुनगुने पानी से लें। भोजन के बाद आरोग्यवर्धिनी वटी व चंद्रप्रभा वटी लेवें। शुद्ध गूगल, नवक गुग्गुलु, वृक्षाम्ला घन,ताप्यादि लौह नंबर 1 का प्रयोग भी गुणकारी है। औषधि सेवन योग्य वैद्य के संरक्षण में ही करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 24 वर्ष है। मेरे मसूढों में सूजन रहती है और खून आता है। नियम से ब्रश करने के बाद भी मुंह से बदबू आती है। ऐसा उपाय बताएं कि मेरे मसूढे और दांत स्वस्थ बन सके।

- सुधाकर रेड्डी, संगारेड्डी

उत्तर : लगता है आपको पायोरिया हो गया है। यह समस्या लापरवाही के कारण ही पनपती है। क्या आप सोने से पहले मसूढों और दांत को साफ करने पर पूरा ध्यान देते हैं? अगर रात्री भोजन के बाद आप दांत साफ नहीं करते - तब भोजन के कण दांतों में फंसे होने के कारण वहां जीवाणु पनपते हैं और धीरे-धीरे वह मसूढों और दांतों को खराब करने लगते हैं। सही ढंग से मुख की सफाई नहीं होने के कारण ही मसूढों में सूजन और खून आने लगता है। यदि यहां भी आप नहीं चेते तब दांत हिलने लगते हैं, उसमें कीड़े भी लग सकते हैं और वह समय से पहले गिर भी सकते हैं।

आयुर्वेद में इसका इलाज है। आप ऊंझा दशनसंस्कार मंजन में इरिमेदादी तेल मिलाकर सुबह और रात सोने से पहले दांत मांजे। इसी तेल से मसूढों की मालिश करें। हर बार भोजन करने और चाय कॉफी या कोई भी पेय पदार्थ लेने के बाद गरारे करें ,कुल्ली करें। भोजन के बाद ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी, गंधक रसायन टिकिया व कांचनार गुग्गुलु लेवें। थोड़े ही दिनों में चलदंत , कृमिदंत, पायोरिया, मुख की दुर्गंध पूरी तरह से ठीक हो जाएगी। चॉकलेट, टॉफी, मीठे पदार्थ आदि खाने से बचें । आइसक्रीम, व ठंडे पेय भी न खाएं । ऐसा करने से आपको राहत जल्दी ही मिलेगी।

प्रश्न : मैं लंबे समय से सिर दर्द से परेशान हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- मारुति राव, सिकंदराबाद

उत्तर : वात, पित्त, कफ व रक्तदोष की दुष्टि होने पर शिरशूल यानी सिर दर्द होता है। यह क्षय और कृमि रोग में एक लक्षण के रूप में होता है।

1 ग्राम गोदंती भस्म को 4 से 6 ग्राम शहद में मिलाकर दिन में तीन बार चाटने से बहुत आराम मिलता है। ऊंझा शिरशूलादि वज्र रस टिकिया, ऊंझा सूतशेखर रस को पथ्यादि काढ़ा के साथ सुबह-शाम लेने से भयंकर से भयंकर सिर दर्द दूर हो जाता है। दही, पनीर, चॉकलेट, ठंडे पेय पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी, फ्रिज के ठंडे पानी आदि का हमेशा परहेज करें । यह ध्यान रखें कि कौन से खाद्य पदार्थ व कैसी स्थितियां सिर दर्द को बढ़ा रही है। भविष्य में ऐसे व्यंजनों व स्थितियों से दूर रहा करें।

ये 4 महिलाएं ना रखें हरतालिका तीज का कठोर व्रत

हरतालिका तीज भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला अत्यंत पावन व्रत है और इस बार यह शुभ तिथि 26 अगस्त दिन मंगलवार को मनाया जाएगा। इस पर्व का महत्व मुख्य रूप से विवाहिक सुख, अखंड सौभाग्य और दांपत्य जीवन की मधुरता से जुड़ा है। मान्यता है कि माता पार्वती ने कठोर तप करके इस दिन भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया था। तभी से सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और वैवाहिक सुख की कामना से निर्जला व्रत करती हैं। अविवाहित कन्याएं भी अच्छे और योग्य पति की प्राप्ति के लिए इस व्रत को करती हैं। लेकिन 4 महिलाओं को हरियाली तीज का कठोर व्रत रखने की जरूरत नहीं है, इन महिलाओं को तीज का व्रत ना रखने की शास्त्रों में छूट दी गई है। आइए जानते हैं किन 4 महिलाओं को हरियाली तीज का व्रत नहीं रखना चाहिए...

ज्योतिषीय एवं शास्त्रीय दृष्टि इनको मिली है छूट

हरतालिका तीज व्रत पति की लंबी आयु, वैवाहिक सुख और कन्याओं को योग्य पति की प्राप्ति का व्रत है। ज्योतिषीय एवं शास्त्रीय दृष्टि से शारीरिक दुर्बलता, गर्भावस्था या अन्य कारणों से कुछ महिलाओं को इसे नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में वे साधारण पूजा-पाठ, शिव-पार्वती आराधना और दान कर सकती हैं, जो समान पुण्य फलदायी माना गया है। आइए जानते हैं किन महिलाओं को व्रत नहीं करना चाहिए...

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं को हरतालिका तीज का व्रत करने की मनाही है। यह व्रत निर्जला किया जाता है इसलिए गर्भवती महिलाओं को शास्त्रों में छूट दी गई है। गर्भवती महिलाएं तीज की सभी परंपराएं कर सकती हैं लेकिन निर्जला उपवास ना रखें क्योंकि यह उनके स्वास्थ्य और शिशु दोनों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

अत्यधिक अस्वस्थ या रोगग्रस्त महिलाएं

शास्त्रों में अत्यधिक अस्वस्थ या रोगग्रस्त महिलाओं को हरतालिका तीज का निर्जला व्रत ना करने के सलाह दी गई है। आप भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना कर सकते हैं लेकिन कठोर व्रत करने की जरूरत नहीं है। शारीरिक कमजोरी या गंभीर रोग से पीड़ित महिलाओं के लिए यह व्रत हानिकारक हो सकता है।

अत्यधिक वृद्ध महिलाएं

ज्योतिष शास्त्र में वृद्ध महिलाओं को निर्जला उपवास ना करने की सलाह दी गई है। हरतालिका तीज का व्रत करने के लिए शारीरिक स्वास्थ्य होना बहुत जरूरी है। जिनकी शारीरिक क्षमता उपवास सहने योग्य न हो, उन्हें यह व्रत करने से बचना चाहिए। आप श्रद्धा भाव से शिव-पार्वती का पूजन कर सकते हैं।

कुंवारी कन्याएं

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि कुंवारी कन्याएं हरतालिका तीज का निर्जला उपवास ना रखें। आप सामान्य व्रत कर सकते हैं और भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना कर सकते हैं लेकिन निर्जला व्रत करने की जरूरत नहीं है। यह व्रत मुख्यतः पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य के लिए है, इसलिए इनसे जुड़ी स्त्रियों को यह व्रत शास्त्रसम्मत नहीं माना गया है।

हरतालिका तीज पर पंच महापुरुष समेत 4 शुभ योग

26 अगस्त दिन मंगलवार को हरतालिका तीज का व्रत किया जाएगा और इस दिन एक या दो नहीं बल्कि चार शुभ योग बन रहे हैं, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। हरतालिका तीज का पर्व शिव-पार्वती मिलन का पावन अवसर है। ज्योतिष दृष्टि से इस बार यह तीज अत्यंत शुभ मानी जा रही है क्योंकि कई ग्रहों के दुर्लभ संयोग से विशेष योग बन रहे हैं, जो मेष समेत 4 राशियों के लिए सौभाग्यशाली रहने वाला है।

हरतालिका तीज 2025

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हरतालिका तीज पर इस बार ग्रह-नक्षत्रों के विशेष संयोग से 4 दुर्लभ संयोग बन रहे हैं, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। हरतालिका तीज पर सबसे प्रभावशाली योग पंचमहापुरुष योग, रवि योग, साध्य योग और शुभ योग बन रहे हैं, जो 4 राशियों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है। इन योग को ज्योतिष में अत्यंत प्रभावशाली योग माना गया है और ये बुद्धि, प्रतिष्ठा, सौभाग्य और सम्मान बढ़ाते है। साथ ही यह योग साधक को उच्च स्थान, दीर्घायु और विशेष फल देता है। हरतालिका तीज पर सुहागिन अपने पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य के लिए निर्जल व्रत रखती हैं, साथ ही कुंवारी लड़कियां भी मनचाहे व्रत की प्राप्ति के लिए इस व्रत को रखती हैं।

शुभ योग का मेष राशि पर प्रभाव

हरतालिका तीज पर बन रहे शुभ योग का लाभ मेष राशि वालों को मिलने वाला है। मेष राशि वालों को भाग्य का साथ मिलेगा और पुराने अटके हुए काम पूरे होंगे। इस राशि के नौकरी पेशा जातकों को अधिकारियों का साथ रहेगा और नई नौकरी के अवसर भी मिलेंगे। इस राशि वालों को दांपत्य जीवन में मधुरता और आर्थिक क्षेत्र में प्रगति के संकेत हैं। साथ ही विवाह योग्य जातकों के लिए अच्छा समय है।

शुभ योग का सिंह राशि पर प्रभाव

हरतालिका तीज पर बने शुभ योग का फायदा सिंह राशि वालों को मिलेगा। शुभ योग के प्रभाव सिंह राशि वालों को धन लाभ हो सकता है और जीवन में खुशियों का आगमन होगा। सिंह राशि वाले भविष्य को ध्यान रखते हुए जीवनसाथी के साथ किसी अच्छी जगह निवेश करते हैं। साथ ही नया वाहन या मकान खरीद सकते हैं। पारिवारिक आनंद और संतान पक्ष से सुख मिलेगा।

शुभ योग का कन्या राशि पर प्रभाव

हरतालिका तीज पर बने प्रभावशाली योग से कन्या राशि वालों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन की वजह से अटके कार्य पूरे होंगे। अगर आप मकान या फ्लैट खरीदना चाहते हैं तो शिवजी और माता पार्वती की कृपा से आपकी इच्छा पूरी होगी। इस राशि के नौकरी पेशा जातकों के अधिकारियों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे और काम करने में मन भी लगेगा। शुभ योग के प्रभाव से आपका बैंक बैलेंस बढ़ेगा और खर्चे भी कम होंगे।

शुभ योग का मीन राशि पर प्रभाव

हरतालिका तीज पर बने 4 शुभ योग से मीन राशि वालों को को बड़ी खुशखबरी मिल सकती है और आर्थिक स्थिति में बेहतर होगी। अगर आप नया बिजनस शुरू करना चाहते हैं तो आपकी इच्छा पूरी होगी और नौकरी पेशा जातकों को मनचाही नौकरी भी मिल सकती है। भाग्य प्रबल रहेगा और रुके हुए कार्य पूरे होंगे। साथ ही धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और विवाह व संतान से शुभ समाचार मिल सकता है।

गणेश पूजा का शुभ मुहूर्त पूजा की विधि और महत्व

गणेश पूजा का आरंभ 27 अगस्त 2025 से होगा। यह पूजा पूर्ण चतुर्थी से आरंभ होती है और त्रयोदशी तिथि तक गणेश पूजा का विधान है। 6 सितंबर को त्रयोदशी तिथि पड़ रही है और इसी दिन गणेश प्रतिमा का विसर्जन होगा। चतुर्थी तिथि 27 अगस्त को पड़ने के कारण गणेश पूजा का आरंभ 27 अगस्त 2025 से हो जाएगा। यह पूजा भाद्र शुक्ल चतुर्थी तिथि को होती है, जो इस बार बुधवार को 27 अगस्त को पड़ रहा है।

गणेश पूजा की विधि और महत्व

गणेश जी को लड्डू बहुत ही पसंद है, इसलिए गणेश पूजन में उन्हें लड्डू का भोग अवश्य लगाएं। सर्व देवता में सर्वोपरि गणेश को रखा गया है, यानी किसी भी देवता की पूजा या कोई यज्ञ अनुष्ठान किया जाता है तो उसमें सबसे पहले गणेश जी की पूजा की जाती है। सच्चे मन से गणेश की पूजा करने से आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती है।

गणेश पूजा के दौरान कुछ महत्वपूर्ण बातें

गणेश पूजा में शुद्धता और सच्चाई का ध्यान रखना आवश्यक है। गणेश जी की पूजा में मंत्रों का उच्चारण और विधिवत पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। गणेश प्रतिमा का विसर्जन त्रयोदशी तिथि को करना उचित माना जाता है। इस प्रकार, गणेश पूजा एक महत्वपूर्ण पर्व है जिसमें भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। सच्चे मन से पूजा करने से कई लाभ हो सकते हैं।

गणेश जी ने पहले ठुकराया विवाह, फिर कैसे बनीं रिद्धि-सिद्धि उनकी पत्नी, इसके पीछे की वजह

गणेश चतुर्थी को लेकर पूरे देश में एक अलग ही धूम देखने को मिल रही है। गणेश चतुर्थी से लेकर 10 दिनों तक गणपति बप्पा को लोग अपने घरों में स्थापित कर उनकी विधि-विधान पूर्वक पूजा-आराधना करते हैं, उसके बाद उनका विसर्जन करते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार पंडित कल्कि राम बताते हैं कि हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है। इस साल 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाएगा।

सनातन धर्म में धार्मिक मान्यता के अनुसार कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य करने से पहले भगवान गणेश की वंदना की जाती है। लेकिन, भगवान गणेश के साथ रिद्धि-सिद्धि की पूजा-आराधना क्यों की जाती है, कौन हैं रिद्धि-सिद्धि, तो बताते हैं।

विघ्नहर्ता मंगलकर्ता, पार्वती नंदन भगवान गणेश ने धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दो विवाह किए थे, जिनमें एक रिद्धि और दूसरी सिद्धि के साथ हुआ था। अब सवाल यह है कि भगवान गणेश को विवाह क्यों करना पड़ा।

धार्मिक ग्रंथ के अनुसार एक बार भगवान गणेश तपस्या में लीन थे और उन्होंने कहा था कि हम ब्रह्मचारी रहेंगे। इसी दौरान माता तुलसी उस रास्ते से गुजर रही थीं। भगवान गणेश की तपस्या को देखकर माता तुलसी ने विवाह का प्रस्ताव रखा, लेकिन उस समय भगवान गणेश ने प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। तब क्रोधित होकर तुलसी ने कहा—जाओ, तुम्हारा एक नहीं बल्कि दो विवाह होगा।

इतना ही नहीं, जब भी किसी भी तरह का शुभ और मांगलिक कार्य होता था तो भगवान गणेश वहां जाकर विघ्न उत्पन्न करते थे। इसके बाद सभी देवता व्याकुल होकर ब्रह्मा जी के पास पहुंचे। तब ब्रह्मा जी ने दो कन्याओं को जन्म दिया, जिनका नाम रिद्धि और सिद्धि पड़ा।

जिसको लेकर ब्रह्मदेव दोनों कन्याओं को भगवान गणेश के पास लेकर पहुंचे। तब भगवान ब्रह्मा ने भगवान गणेश से कहा कि आप मेरी दोनों कन्याओं को शिक्षा दीजिए।

ऐसी स्थिति में जब भगवान गणेश रिद्धि और सिद्धि को शिक्षा दे रहे थे और शिक्षा देने में उलझ गए, तब दूसरी ओर सभी देवी-देवता अपना मांगलिक कार्यक्रम आसानी से संपन्न कर लेते हैं। इसके बाद भगवान गणेश क्रोधित हो जाते हैं और उसी दौरान ब्रह्मा जी प्रकट होते हैं।

तब ब्रह्मा जी ने भगवान गणेश से कहा कि अब आप रिद्धि और सिद्धि से विवाह करिए। इसके बाद भगवान गणेश ने ब्रह्मा जी की बात मानकर रिद्धि और सिद्धि से विवाह संपन्न किया। इसी कारण भगवान गणेश की दो पत्नियां हैं—रिद्धि और सिद्धि।

क्यों गणपति बप्पा को तुलसी चढ़ाना माना जाता है वर्जित

गणेश चतुर्थी का पर्व पूरे भारत में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। भक्त बप्पा को प्रसन्न करने के लिए उन्हें तरह तरह के भोग, फूल और पत्तियां अर्पित करते हैं। जहां एक ओर भगवान विष्णु और भगवान शंकर को तुलसी अर्पित करना शुभ माना जाता है, वहीं गणेश जी को तुलसी देना वर्जित बताया गया है। यह बात कई लोगों के मन में सवाल भी पैदा करती है कि आखिर बप्पा जो विघ्नहर्ता हैं, उन्हें तुलसी क्यों नहीं चढ़ाई जाती। इसका संबंध एक प्राचीन धार्मिक कथा और मान्यता से जुड़ा है। माना जाता है कि यह कथा सिर्फ आस्था ही नहीं बल्कि जीवन को सही दृष्टिकोण से समझाने का संदेश भी देती है।

तुलसी और गणेश जी की कथा

पौराणिक मान्यता के अनुसार एक समय तुलसी जी ने भगवान गणेश को विवाह का प्रस्ताव दिया था। लेकिन गणेश जी ब्रह्मचर्य का पालन कर रहे थे और उन्होंने विवाह का विचार नहीं किया। जब गणेश जी ने तुलसी का प्रस्ताव ठुकराया तो तुलसी ने क्रोध में आकर उन्हें श्राप दे दिया कि उनका विवाह अवश्य होगा। इसके जवाब में गणेश जी ने भी तुलसी को श्राप दिया कि वह विवाह के लिए अनुपयुक्त होंगी और कभी भी उनकी पूजा में स्वीकार नहीं की जाएंगी। तभी से गणेश पूजा में तुलसी अर्पित करना वर्जित माना जाता है।

धार्मिक मान्यता और महत्व

हिंदू धर्म में हर फूल, पत्ता और भोग का अपना विशेष महत्व होता है। गणपति जी को दूर्वा, मोदक और लाल फूल प्रिय माने जाते हैं। वहीं तुलसी उनके लिए वर्जित है। इसे केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं बल्कि एक संदेश के रूप में भी देखा जाता है। मान्यता है कि गणपति जी को तुलसी चढ़ाने से पूजा का फल नहीं मिलता और भक्तों की मनोकामना अधूरी रह जाती है।

गणेश पूजा में क्या अर्पित करना चाहिए

गणेश चतुर्थी के 10 दिनों तक भक्त बप्पा को दूर्वा घास, शमी पत्र, सिंदूर, लाल फूल और मोदक चढ़ाते हैं। इन चीजों को गणेश जी का प्रिय माना गया है और इन्हें अर्पित करने से बप्पा प्रसन्न होकर सुख समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

तुलसी निषेध का आध्यात्मिक संदेश

तुलसी का निषेध केवल धार्मिक मान्यता ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक शिक्षा भी है। गणपति जी बुद्धि और विवेक के देवता हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि हर चीज हर जगह उपयुक्त नहीं होती। जिस प्रकार तुलसी का स्थान विष्णु पूजा में सर्वोच्च है, वहीं गणेश पूजा में उसका प्रयोग वर्जित है। यह संतुलन और सही दृष्टिकोण की सीख देता है।

क्यों आज भी माना जाता है यह नियम

आज भी घरों और पंडालों में गणेश पूजा के दौरान तुलसी का प्रयोग नहीं किया जाता। कई बार लोग भूल से तुलसी रख देते हैं लेकिन पुरानी मान्यता के कारण इसे तुरंत हटा लिया जाता है। धार्मिक ग्रंथों और पुराणों में भी इसका उल्लेख मिलता है। यही कारण है कि भक्त पूरी श्रद्धा और परंपरा के साथ गणेश पूजा करते समय तुलसी का इस्तेमाल नहीं करते।

डेजी शाह से जयपुर में छेड़छाड़ : एक्ट्रेस का खुलासा- शूटिंग के दौरान हुआ था वाकया, गुस्से में आकर मारे थे थप्पड़

बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह ने हाल ही में अपने साथ हुए कुछ परेशान करने वाले अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि डोंबिवली और जयपुर में उन्हें छेड़छाड़ का सामना करना पड़ा था। डेजी ने कहा कि वो डोंबिवली में पली-बढ़ीं। एक बार वह सड़क पर पैदल जा रही थीं, तभी एक आदमी उनके पास से गुजरा और गलत तरीके से छूकर निकल गया। उन्होंने आगे बताया कि जब तक मैं पलटकर देखती, वह कौन था समझ नहीं पाई क्योंकि वहां भीड़ थी।

जयपुर में भीड़ में से किसी ने डेजी की पीठ पर हाथ लगाया था

डेजी ने जयपुर में फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई दूसरी घटना भी याद की। एक हवेली में गाने का सीक्वेंस फिल्माया जा रहा था। शूटिंग पूरी होते ही गेट से निकलते समय भीड़ में किसी ने उनकी पीठ पर हाथ लगाया था।

इस घटना के बाद डेजी ने पीछे मुड़कर सभी को थप्पड़ मारना शुरू कर दिया।

डेजी ने बताया कि शूटिंग खत्म होने के बाद बाहर आते ही एक स्थानीय शख्स ने उन्हें सबक सिखाने की धमकी दी। उन्होंने कहा, "तब मैंने जवाब दिया, हां दिखाओ।"

उन्होंने आगे समझाया कि उन्होंने उस शख्स को क्यों मारा था? डेजी ने कहा, "मैंने उस व्यक्ति को इसलिए पीटा क्योंकि वह ठीक से बात नहीं कर रहा था। वह ऐसा इसलिए कर रहा था क्योंकि मैं लड़की हूं। सामने आकर बहादुरी से बात करो, भीड़ में छिपकर कायरों जैसा बर्ताव क्यों कर रहे हो। अपना चेहरा दिखाओ और फिर जो करना है करो।"

करियर की बात करें तो डेजी आखिरी बार 2023 में आई फिल्म 'मिस्ट्री ऑफ द टैटू' में नजर आई थीं। इसके बाद, उन्होंने 2024 में वेब सीरीज 'रेड रूम' में काम किया था।

बता दें कि डेजी ने अपना करियर बतौर डांसर और मॉडल शुरू किया था। वह कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की असिस्टेंट रह चुकी हैं। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और फोटोशूट किए। 2011 में वो कन्नड़ फिल्म भद्रा और हिंदी फिल्म बॉडीगार्ड में नजर आईं।

फिर डेजी ने 2014 में सलमान के साथ 'जय हो' में काम किया। इसके बाद वह 'हेट स्टोरी 3' में नजर आईं। बाद में उन्होंने 'आक्रमण', 'रमरतन' और 'रेस 3' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

बुजुर्ग महिला के गाने से इंप्रेस हुए सोनू सूद सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो कहा- हुनर की कोई उम्र नहीं होती

सोनू सूद अक्सर सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ शेयर करते रहते हैं। सोमवार को उन्होंने एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें वे एक बुजुर्ग महिला के साथ बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो की शुरुआत में एक्टर यह कहते हुए सुनाई देते हैं कि ये अम्मा कमाल की सिंगर हैं।

इस वीडियो को सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें एक्टर बुजुर्ग महिला से कुछ गाने की गुजारिश करते हैं। बुजुर्ग महिला भी मराठी में एक गाना गाती हुई नजर आ रही हैं।

इस वीडियो के कैप्शन में सोनू ने लिखा, हुनर तो सभी में होता है। किसी का छिप जाता है, किसी का छप जाता है। अम्मा आप कमाल हो। गणपति बप्पा मोरया।

इस वीडियो पर यूजर्स भी जमकर कमेंट कर रहे हैं। वे सोनू सूद के साथ-साथ बुजुर्ग महिला की सुर, लय और आवाज की खूब तारीफ कर रहे हैं।

हमेशा लोगों की मदद करते हैं सोनू सूद

सोनू सूद ने कोविड-19 के दौरान देश सेवा की पहल की। जब पूरे देश में लॉकडाउन लगा था, तब उन्होंने गरीब अप्रवासियों को उनके घर पहुंचाने में मदद की थी। उन्होंने फाइनेंशियल और मेडिकल सपोर्ट भी मुहैया कराया था। अभी भी सोनू चैरिटी फाउंडेशन के जरिए जरूरतमंद लोगों की मदद करना जारी रखते हैं।

एक इंटरव्यू में एक्टर ने कहा था, 'मुझे लगता है कि खुद से जुड़े रहने के लिए यह सब करना जरूरी होता है। मेरी मां कहती हैं- अपनी जिंदगी की कलम से दुआओं की स्याही डाल लो, फिर तुम्हारा नाम पन्नों पर नहीं, इतिहास में लिखा जाएगा। जब आप दुआएं कमाते हैं, तो लोग घर में बैठकर आपके लिए दुआ करते हैं। यह सब इसी का असर है। मेरी कोशिश रहती है कि दुआएं मिलती रहें। बाकी ऊपरवाला मंजिल दिखा ही देगा और फतेह करवा ही देगा।'

परिणीति-राघव चड्ढा पेरेंट्स बनने वाले हैं कपल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी खुशखबरी

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। कपल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर यह खुशखबरी दी है। शेयर किए गए पोस्ट में एक बच्चे का नन्हा पांव दिखाई दे रहा है। इस खबर के बाद बॉलीवुड से लेकर दुनिया भर के फैंस से बधाइयां आ रही हैं।

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर इस खुशखबरी को शेयर करते हुए एक जैसा पोस्ट किया है। इस पोस्ट में बच्चे का नन्हा सा पांव है और 1+1=3 लिखा है। दोनों ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'हमारी छोटी सी दुनिया... बस आने को है, असीम कृपा है। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा है कि अब वे एक और एक मिलाकर तीन होने जा रहे हैं।

इस खूबसूरत पोस्ट के साथ कपल ने एक वीडियो भी शेयर किया। वीडियो में परिणीति चोपड़ा, राघव चड्ढा का हाथ थामे चलती दिख रही हैं। इस पोस्ट पर सोनम कपूर, नेहा धूपिया, रकुल प्रीत, भूमि पेडनेकर, हुमा कुरैशी, भारती सिंह, रकुल प्रीत, अनन्या पांडे जैसी तमाम सेलिब्रिटीज ने उन्हें खूब सारी बधाइयां दी हैं।

वहीं परिणीति की मां रीना चोपड़ा ने लिखा है- इससे बड़ी कोई खुशी और आशीर्वाद नहीं है। आपको बहुत प्यार। भगवान आप पर आशीर्वाद बनाए रखे।

'केजीएफ' फेम एक्टर दिनेश मंगलुरु का निधन, कन्नड़ इंडस्ट्री में शोक की लहर

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री से एक दुख भरी खबर सामने आ रही है। सीनियर कन्नड़ अभिनेता दिनेश मंगलुरु का निधन हो गया है। उन्होंने आज उडुपी जिले के कुंदापुरा स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। एक्टर के निधन के बाद कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में शोक का माहौल है।

आर्ट डायरेक्टर के तौर पर की शुरुआत

दिनेश मंगलुरु अपनी सशक्त और यादगार सहायक और निगेटिव भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। पर्दे पर अपने शानदार अभिनय से उन्होंने कन्नड़ दर्शकों के बीच अपनी शानदार पहचान बनाई और लोकप्रियता हासिल की। मूल रूप से मंगलुरु के रहने वाले दिनेश ने थिएटर में अपनी गहरी पृष्ठभूमि के साथ फिल्मों में एंट्री की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में एक आर्ट डायरेक्टर के रूप में भी काम किया था।

'केजीएफ' समेत कई फिल्मों में निभाई यादगार भूमिका

दिनेश ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। लेकिन सुपरस्टार यश की 'केजीएफ' में बॉम्बे डॉन की शानदार भूमिका के बाद दिनेश की पहचान और भी मजबूत हो गई। उन्होंने अपने करियर में 'उलिगेडावारु कंदंठे', 'राणा विक्रमा', 'अंबारी', 'सवारी', 'इंथी निन्ना प्रीतिया', 'आ दिनागलु', 'स्लम बाला', 'दुर्गा', 'स्माइल', 'अतिथि', 'प्रेमा', 'नागमंडला' और 'शुभम' जैसी कई यादगार फिल्मों में अभिनय किया था। इसके अलावा उन्होंने 'नंबर 73' और 'शांतिनिवास' जैसी फिल्मों में बतौर आर्ट डायरेक्टर भी काम किया है।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड अगस्त्य नंदा के साथ कार में दिखीं सुहाना खान

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा और सुपरस्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान के डेटिंग को लेकर अफवाहें अक्सर उड़ती रहती हैं। अब दोनों का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें इन्हें साथ में कार में देखा जा रहा है। देखें वीडियो।

क्या है वायरल वीडियो?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें सुहाना खान, नव्या नवेली नंदा, और अगस्त्य नंदा एक साथ कार में बैठे दिख रहे हैं। इस वीडियो में अगस्त्य नंदा कार की पहली सीट पर बैठे दिख रहे हैं। वहीं सुहाना और नव्या पिछली सीट पर बैठी हुई दिखाई दे रही हैं। इस वायरल वीडियो ने अगस्त्य और सुहाना की डेटिंग की खबरों को फिर से हवा दे दी है।

नेटिजंस ने दी तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं

इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने कहा, 'मतलब कुछ भी अपने मन से गाना लगा दो, कोई और भी वजह हो सकती है साथ जाने की, ये तो बहुत ज्यादा हो गया है।' दूसरे यूजर ने कमेंट सेक्शन लिखा, 'सुहाना खान ऐसी कोई गलत हरकत नहीं करना, जिससे तुम्हारे पापा का नाम खराब हो आप शाहरुख खान के साथ पूरी दुनिया में बहुत नाम रखते हैं।' इसके अलावा अन्य यूजर्स ने कहा दोनों फिर साथ में दिखे।

एक नजर सुहाना और अगस्त्य के करियर पर

सुहाना खान जल्द ही अपने पिता शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी। किंग में शाहरुख और सुहाना के अलावा अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी जैसे सितारे नजर आ सकते हैं। इसके अलावा अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा फिल्म 'इक्कीस' में नजर आएंगे। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। बहरहाल, दोनों ही अपने करियर पर फोकस कर रहे हैं।

6 सालों से बेकार घर में बैठे हैं गोविंदा 170 करोड़ के हैं मालिक

गोविंदा कथित तौर पर सुनीता आहूजा से तलाक लेने की तैयारी में हैं, ऐसे में 61 वर्षीय अभिनेता की कुल संपत्ति पर एक नज़र डालते हैं.

बॉलीवुड के चहेते हीरो नंबर 1, गोविंदा, अपने शानदार डांस मूव्स, कॉमिक टाइमिंग के लिए जानते हैं. इल्ज़ाम (1986) से अपनी शुरुआत से लेकर डेविड धवन के साथ कुली नंबर 1, राजा बाबू और हीरो नंबर 1 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम करने तक, गोविंदा ने अपना नाम कमाया है ।

ताज़ा खबरों के अनुसार, गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा अपनी 37 साल की शादी के बाद तलाक लेने की तैयारी में हैं. हालांकि हाल ही में एक्टर के वकील ने इसे ठुकरा दिया है और कहा कि कपल के बीच सब कपछ ठीक है

करियर में उतार-चढ़ाव आए

2000 के दशक में जब उनके करियर में उतार-चढ़ाव आए, तब भी उन्होंने पार्टनर और भागमभाग जैसी हिट फिल्मों से वापसी की थी. इसके बाद गोविंदा ने राजनीति में भी हाथ आजमाया और 2004 से 2009 के बीच सांसद रहे। गोविंदा की आखिरी फिल्म रंगीला राजा 2019 में आई थी और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक थी, फिर भी कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वो करोड़ों के मालिक हैं

अपने करियर के चरम पर, उन्होंने कथित तौर पर प्रति फिल्म 6 करोड़ रुपये तक चार्ज किए और ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई जारी रखी, जिसमें प्रत्येक के लिए लगभग 2 करोड़ रुपये फीस थी

कई घरों के हैं मालिक

हीरो नंबर 1 अभिनेता के पास मुंबई में तीन बड़े घर हैं, जुहू में उनका अपना जय दर्शन बंगला है जिसकी कीमत 16 करोड़ रुपये है और रुइया पार्क और मड आइलैंड में भी उनकी संपत्तियां हैं. मड आइलैंड स्थित उनके घर का इस्तेमाल फिल्मों की शूटिंग के लिए होता है, जबकि उन्होंने रुइया पार्क वाली अपनी संपत्ति किराए पर दे रखी है

गोविंदा के पास महंगी कारों का भी कलेक्शन हैं और बड़े मियाँ छोटे मियाँ अभिनेता के पास 43 लाख रुपये की कीमत वाली मर्सिडीज C220D और 64 लाख रुपये की कीमत वाली मर्सिडीज बेंज GLC जैसी लग्जरी कारें हैं

150 से 170 करोड़ नेट वर्थ

गोविंदा की कुल संपत्ति लगभग 150 से 170 करोड़ रुपये है और उनकी आय के स्रोत उनके रियल एस्टेट निवेश और ब्रांड एंडोर्समेंट हैं

सलमान खान की इस अभिनेत्री ने शादी के लिए छोड़ी फिल्में, अब है 2000 करोड़ की मालकिन

90 के दशक की इस बॉलीवुड अभिनेत्री ने लाइमलाइट से दूर होकर एक कनाडाई व्यवसायी से शादी करने के लिए इंडस्ट्री छोड़ दी थी और अब वो करोड़ो के दौलत की मालकिन हैं.

सुपरहिट होकर गायब हुई

बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने फ़िल्मी दुनिया में कदम रखा और कई हिट फ़िल्मों से सफलता का स्वाद चखा, लेकिन बाद में या तो उन्होंने अभिनय छोड़ दिया या शादी कर ली और फ़िल्मी दुनिया में गुमनाम हो गईं. आज हम एक ऐसी ही अभिनेत्री के बारे में बात करेंगे जो सलमान खान के साथ 'जुड़वा' और 'बंधन' में काम करके सुपरस्टार बन गईं

2011 में आखिरी बार किया काम

हम जिस अभिनेत्री की बात कर रहे हैं, वह कोई और नहीं बल्कि रंभा हैं और उन्हें आखिरी बार 2011 में मलयालम फिल्म 'फिल्मस्टार' में देखा गया था और उसके बाद से उन्होंने किसी फिल्म में काम नहीं किया है

2010 में रचाई शादी

रंभा ने अपने करियर के चरम पर फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी और अप्रैल 2010 में कनाडा के एक व्यवसायी इंद्रकुमार पथमनाथन से शादी कर ली. इसके बाद रंभा अपने परिवार के साथ टोरंटो चली गईं. अब वह तीन बच्चों की मां हैं जिसमें दो बेटियां और एक बेटा है.

पति पहले से था शादीशुदा

हालाँकि, उनके जीवन में एक समय ऐसा भी आया जब रंभा की निजी ज़िंदगी उथल-पुथल भरी रही. शादी के कुछ साल बाद, 2016 में, यह खबर आई कि उनके पति पहले से ही शादीशुदा हैं. रिपोर्टों के अनुसार, रंभा ने आरोप लगाया कि उनके पति इंद्रकुमार पथमनाथन की शादी दुष्यंती सेल्वाविनायकम नाम की एक महिला से हुई थी, उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी.

आज भी अपने पति के संग हैं रंभा

ऐसे में मीडिया में उस समय ऐसी भी खबरें आई थीं कि अभिनेत्री अपने पति से तलाक की अर्जी दे रही हैं, लेकिन बाद में अभिनेत्री ने तलाक की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि वह अपने पति के साथ खुशहाल शादीशुदा जीवन जी रही हैं.

तेलुगु, तमिल, मलयालम सहित कई फिल्मों में किया काम

रंभा ने हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, बंगाली, भोजपुरी और अंग्रेजी फिल्मों में भी अभिनय किया है. अपने पूरे करियर में, उन्होंने ममूटी, रजनीकांत, कमल हासन, विजयकांत, चिरंजीवी, नंदामुरी बालकृष्ण, वेंकटेश, मोहनलाल आदि जैसे लोकप्रिय अभिनेताओं के साथ जोड़ी बनाई

जमकर कमाती हैं पैसा

जहाँ कई लोग मानते हैं कि एक्टिंग छोड़ने का मतलब गुमनामी में खो जाना है, वहीं रंभा का मामला बिल्कुल उल्टा है और उन्होंने एक ऐसा वित्तीय साम्राज्य खड़ा किया जो इंडस्ट्री में उनके कई कलाकारों से कहीं आगे है.

2000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की संपति है

रिपोर्टों के अनुसार, रंभा के पास 2000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की संपत्ति है, जिसमें कनाडा और भारत में उनकी अचल संपत्ति भी शामिल है

नुसरत भरूचा की 'उफ्फ ये सियापा' में बिना डायलॉग दिखेगी डार्क कॉमेडी

नुसरत भरूचा की फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। बता दें ये फिल्म बिना डायलॉग के एक डार्क कॉमेडी है, जिसमें हर सीन सिर्फ हावभाव और एक्सप्रेशन से कहानी कहता है। फिल्म 5 सिंतबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

ट्रेलर में क्या कहानी?

फिल्म की कहानी घूमती है केसरी लाल सिंह (सोहम शाह) के इर्द-गिर्द, जो एक साधारण और भोला-भाला इंसान है। उसकी पत्नी पुष्पा (नुसरत) उसे पड़ोसन कमिनी (नोरा फतेही) से फ्लर्ट करने का इल्जाम लगाकर घर छोड़ देती है। जैसे ही वह अपनी बेगुनाही साबित करने की कोशिश करता है, अचानक उसके घर एक लाश मिलती है। मामला यहीं नहीं रुकता, थोड़ी देर में दूसरी लाश भी सामने आ जाती है और केसरी की जिंदगी पूरी तरह उलझ जाती है। इस गड़बड़झाले में इंस्पेक्टर हसमुख (ओमकार कपूर) की एंट्री होती है, जो खुद भी अपने मकसद से कहानी में रंग भरता है।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म में सोहम शाह, नुसरत भरूचा और नोरा फतेही मुख्य भूमिकाओं में हैं। सोहम शाह अपनी सीरियस एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस फिल्म में उनकी मासूमियत और बेबस कॉमिक टाइमिंग दिल जीत सकती है। नुसरत भरूचा के लिए यह साल खास है क्योंकि यह उनकी दूसरी फिल्म है 'छोरी 2' के बाद। वहीं नोरा फतेही भी 2025 में तीसरी बार बड़े पर्दे पर दिखाई देंगी। हाल ही में वो अभिषेक बच्चन की 'बी हैप्पी' और कन्नड़ थ्रिलर 'केडी – द डेविल' में नजर आ चुकी हैं।

फिल्म का निर्देशन

'उफ्फ ये सियापा' का निर्देशन जी. अशोक ने किया है और इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। संगीत की जिम्मेदारी ए.आर. रहमान ने उठाई है, हालांकि यह फिल्म गानों से नहीं बल्कि बैकग्राउंड स्कोर और साउंड इफेक्ट्स से दर्शकों पर असर डालेगी। अभिनेता शारीब हाशमी भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे।

ऐतिहासिक एक्सिओम मिशन-4 को सफलता के शिखर तक पहुंचाने वाले भारत के गौरव, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का गृह जनपद लखनऊ आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी भेंट की। इस दौरान ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की धर्मपत्नी भी उनके साथ थीं।

विद्युत संबंधी कार्यों को लेकर हुई समीक्षा बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा सेक्टर-58 में नोएडा व जनपद गौतमबुद्धनगर के विद्युत संबंधी कार्यों के लिए पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) की समीक्षा बैठक सांसद तथा पूर्व मंत्री डॉ. महेश शर्मा की अध्यक्षता में हुई।

इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। पीवीवीएनएल के अधिकारियों ने कहा कि नए कार्य स्वीकृत 94 करोड़ की धनराशि से बिजली नए कार्य किए जाएंगे

इस समीक्षा बैठक में पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के पदाधिकारी, गौतमबुद्धनगर जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी एवं अन्य जनप्रतिनिधि गण ने सहभागिता रही।

ग्रेनो प्राधिकरण में बीपीओ कॉल सेंटर की योजना शुरू

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण की बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ)/ कॉल सेंटर की योजना में पंजीकरण की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। योजना में छोटे आकार के 22 भूखंड हैं। आईटी कंपनियों के लिए यहां अपना दफ्तर खोलकर कारोबार बढ़ाने का अच्छा मौका है। लंबे इंतजार के बाद यह योजना लाई गई है। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक भूखंडों का आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। निर्धारित किए गए आरक्षित मूल्य पर 55 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आएगा।

ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक अरविंद मोहन सिंह ने बताया कि योजना में 500, 684, 783, 1000, 1042, 1126, 1206 व 1389 वर्गमीटर के कुल 22 भूखंड है,जो सेक्टर नॉलेज पार्क-5 व टेक्जोन-4, 7 में स्थित हैं।

उन्होंने बताया कि इसमें सबसे ज्यादा 500 और 1000 वर्गमीटर के भूखंड हैं। भूखंडों का आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। योजना में पंजीकरण की प्रक्रिया 25 अगस्त से शुरू हो गई है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 23 सितंबर है।

योजना में शामिल सभी भूखंडों का मिलाकर आरक्षित मूल्य लगभग 55 करोड़ रुपये है। इन भूखंडों के आवंटन से बड़ा निवेश आने की उम्मीद है। ई-नीलामी के माध्यम से आवंटन होने पर भूखंडों की आरक्षित से कई गुणा ऊंची बोली लगती है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बताया कि बीपीओ के लिए लाई गई 22 भूखंडों की योजना में पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि इससे कंपनियों को अपना कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी। भविष्य में बड़े आकार के भूखंडों की योजना भी लाई जाएगी।

दिल्ली-एनसीआर में इलाहाबादियों का मिलन समारोह सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के 'ट्रिप्पी टकीला, गार्डन गैलेरिया मॉल' में दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले प्रयागराज (इलाहाबाद) के लोगों का एक अनोखा मिलन समारोह आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम की मेज़बानी निशांत भार्गव, संस्थापक इलाहाबादी इन दिल्ली-एनसीआर समूह, तथा सौरभ अवस्थाना और अमिताभ, संस्थापक एजीसी दिल्ली चैप्टर व्हाट्सऐप समूह ने की। इस विशेष आयोजन में लगभग 70 से अधिक इलाहाबाद मूल के लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम में आत्म-परिचय, सोलो परफॉर्मेंस, गायन और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा शानदार प्रस्तुतियाँ दी गईं। खासतौर पर नीति शुक्ला की वॉइस ओवर प्रस्तुति ने सबका दिल जीत लिया।

इस अवसर पर मौजूद प्रमुख लोगों में डॉ. आलोक मिश्रा, पंकज चतुर्वेदी, उज्ज्वल कुमार, अजय कुमार शर्मा, अंकित अरोड़ा, शशि मिश्रा, अरविंद भाटी, गौरव सिंह, सौरभ सिंह, कमल चोपड़ा, नीति शुक्ला, प्रीति, सीमा सिंह, निधि समेत कई गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

फुटबॉल एवं हॉकी के खिलाड़ियों का जिला स्तरीय ट्रॉयल हुआ सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। जिला खेल कार्यालय गौतमबुद्धनगर के वरिष्ठ प्रशिक्षक डॉ परवेज अली ने बताया कि जनपद में एस्टर पब्लिक स्कूल डेल्टा टू ग्रेटर नोएडा में जिला स्तरीय समन्वय सब जूनियर फुटबॉल बालक प्रतियोगिता एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय सीनियर पुरुष हॉकी प्रतियोगिता का जिला स्तरीय ट्रायल संपन्न हुआ।

चयन प्रक्रिया के दौरान प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

आयोजित प्रतियोगिता में फुटबॉल में सुमित, युवान, अथर पुंडीर, वंश, यश त्यागी, आरव चौधरी, आर्यमन सिंह, यावर हबीब, अयान राय, आकाश, आरव सेशन एवं अरुण सेशन का चयन किया गया है।

वहीं हॉकी में शिवम रावल, सुमित, लक्ष्य शर्मा, रुद्रांश भाटी, जितेश कुमार, शौर्य शर्मा, आर्यन सिंह एवं उज्जवल चौहान का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों के मंडल स्तरीय ट्रायल फुटबॉल के लिए 26 अगस्त 2025 को तोपखाना ग्राउंड मेरठ तथा हॉकी के लिए 27 अगस्त 2025 को कैलाश प्रकाश स्टेडियम मेरठ में प्रतियोगिता आयोजित किए जाएंगे। फुटबॉल खिलाड़ियों का चयन जिला सचिव वाजिद अली तथा हॉकी खिलाड़ियों का चयन नीरज द्वारा किया गया।

सपा ने मनाई बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल की जयंती

नोएडा (चेतना मंच)। सपा नोएडा महानगर के कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में बाबू बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल की जयंती मनाई। इस मौके पर सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनको नमन किया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय बीपी मंडल ने पूरे देश का भ्रमण कर पिछड़ी जातियों के सामाजिक आर्थिक और शैक्षिक स्थिति की पहचान कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ने की प्रबल सिफारिश की।

प्रदेश सचिव भरत प्रधान ने कहा कि पिछड़े वर्ग के लोगों को आरक्षण का लाभ दिलाने का श्रेय बीपी मंडल को ही जाता है। बीपी मंडल बहुसंख्यको के मसीहा और पिछड़ों की आवाज थे। वह समाज में व्याप्त ऊंच-नीच और गैर बराबरी को समाप्त करने के पक्षधर थे। मंच का संचालन महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में वरिष्ठ सपा नेता भीष्म यादव बबलू चौहान, मोनू खारी, वीरपाल अवाना, मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव, वीरपाल प्रधान, गौरव सिंघल, मुकेश यादव, राणा मुखर्जी ,हरपाल सिंह, मुन्ना आलम, अमित बसोया, बाबूलाल बंसल, अली शेर, नजाकत अली, लोकेश यादव ,अमित यादव, रेखा, कवित गुर्जर, सोनू त्यागी, चिंटू त्यागी,उदय सिंह, कृपा शंकर यादव, महेश जाटव, कृष्ण कुमार कमल, नकुल चौहान, ईकलाख खान, अशोक कुमार, मोहम्मद जाकिर, राम सहेली, विपिन चौहान, तेज प्रकाश, सिकंदर पासवान, झंडा सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

11 कीटनाशी रसायनों का बासमती धान पर प्रयोग प्रतिबंधित

गौतमबुद्धनगर (चेतना मंच)। बासमती धान पर कीटनाशकों का प्रयोग प्रतिबंधित किया गया है। कृषि निदेशालय द्वारा किसानों को निर्देशित किया गया है कि 11 कीटनाशक बासमती धान पर छिड़कने से स्वास्थ्य की काफी होनी हो सकती है साथ ही इनका निर्यात विदेशों में करने में बाधा आ रही है।

उप कृषि निदेशक/जिला कृषि रक्षा अधिकारी गौतमबुद्धनगर राजीव कुमार ने बताया कि कीटनाशी अधिनियम-1968 के प्रावधानों के तहत 11 कीटनाशी रसायनों, जिसमें ट्राइसाईक्लाजोल, बुप्रोफेजिन, एसीफेट, क्लोरोपाईरीफॉस, प्रोपिकोनाजोल, टेबुकोनाजोल, थायोमेथॉक्साम, प्रोफेनोफॉस, इमीडाक्लोप्रिड, कार्बेन्डाजिम, कार्बोफ्यूरान का विक्रय, वितरण और प्रयोग बासमती धान पर प्रतिबंधित कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि संबंधित कीटनाशी रसायनों के प्रयोग से उत्पादित बासमती चावल का निर्यात विदेशों में नहीं हो पा रहा है। कीटनाशकों के अवशेष बासमती में पाये जा रहे हैं और प्रदेश के किसानों को भी इसका नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ऐसी स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए ही उत्तर प्रदेश शासन द्वारा बासमती धान पर संबंधित कीटनाशकों का प्रयोग पर रोक लगायी गयी है।

उन्होंने सभी कीटनाशी विक्रेताओं को

निर्देशित किया जाता है कि उपलब्ध स्टॉक में उल्लिखित कीटनाशकों की सूचना एक सप्ताह के अंदर कार्यालय में प्रस्तुत करें। साथ ही संबंधित कृषि रक्षा रसायनों का 30 सितम्बर 2025 तक विक्रय न किया जाए। इस अवधि में किसी विक्रेता द्वारा धान की फसल पर प्रयोग के लिए उक्त रसायनों का विक्रय संबंधित कोई मामला प्रकाश में आता है, कीटनाशी अधिनियम-1968 के अन्तर्गत उसके विरुद्ध कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।